E PAPER

थिंक राजस्थान

सोच नई, राजस्थान के लिए

वर्ष: 01 | अंक: 61 | पृष्ठ: 8 | अंग्रेजी/हिन्दी (दैनिक) | जयपुर, रविवार 13 सितंबर, 2026 | मूल्य: ₹10.00 | प्रभात | RNI NO. RJMUL/26/A4290

विचारों में अंतर को विवाद नहीं बनने देंगे, पीएम मोदी और शी जिनपिंग ने भारत-चीन संबंधों में विकास का किया स्वागत

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को नई दिल्ली में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन से इतर चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग के साथ द्विपक्षीय बैठक की। इस बैठक में दोनों नेताओं ने इस बात पर जोर दिया कि मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए। बैठक के बाद विदेश मंत्रालय से जारी बयान में कहा गया, 'दोनों नेताओं ने अगस्त 2025 में तियानजिन में हुई अपनी पिछली बैठक के बाद से भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में स्थिर प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने दोहराया कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक दृष्टिकोण से देखना चाहिए। मतभेदों को विवाद नहीं बनना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर प्रकाश डाला कि दोनों पक्षों को तीन परस्पर सिद्धांतों, परस्पर सम्मान, परस्पर संवेदनशीलता और परस्पर हित से निर्देशित होना चाहिए।' बैठक के दौरान पीएम मोदी ने इस बात पर जोर दिया कि सीमावर्ती क्षेत्रों में शांति और स्थिरता द्विपक्षीय संबंधों के निरंतर विकास के लिए एक आवश्यक आधार बनी हुई है। विदेश मंत्रालय के बयान में आगे कहा, 'उन्होंने दोनों पक्षों द्वारा सीमा से संबंधित मुद्दों पर मौजूदा समझौतों और सहमतियों का पालन करने की आवश्यकता को रेखांकित किया। दोनों नेताओं ने अपने समग्र द्विपक्षीय संबंधों के राजनीतिक परिप्रेक्ष्य और दोनों देशों के लोगों के दीर्घकालिक हितों के आधार पर सीमा प्रश्न के निष्पक्ष, उचित और परस्पर स्वीकार्य समाधान के प्रति प्रतिबद्धता व्यक्त की।' दोनों नेताओं ने लोगों के बीच आपसी संबंधों में हुई प्रगति पर भी ध्यान दिया और दोनों देशों के बीच सांस्कृतिक आदान-प्रदान, व्यापारिक संबंधों और अधिक आवाजाही को बढ़ावा देने की आवश्यकता पर जोर दिया। विदेश मंत्रालय के बयान में आगे कहा गया, 'आर्थिक और व्यापारिक संबंधों पर उन्होंने एक-दूसरे की चिंताओं, जिसमें संरचनात्मक व्यापार असंतुलन और सप्लाई चेन के मुद्दे शामिल हैं, को दूर करने और सार्थक और पूर्वानुमानित बाजार पहुंच को सुविधाजनक बनाने की आवश्यकता को रेखांकित किया।' विदेश मंत्रालय के अनुसार, दोनों नेता इस बात पर सहमत हुए कि दोनों पक्षों को क्षेत्रीय और वैश्विक मुद्दों पर और चुनौतियों से निपटने में साझा आधार का विस्तार जारी रखना चाहिए। बयान के अंत में कहा गया, 'प्रधानमंत्री ने भारत की ब्रिक्स अध्यक्षता के लिए चीन के समर्थन और ब्रिक्स शिखर सम्मेलन-2026 की सफलता में उसके योगदान की सराहना की।' इस बैठक में विदेश मंत्री डॉ. एस जयशंकर, राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार (एनएसए) अजीत डोभाल और अन्य अधिकारी भी मौजूद थे। बैठक में दोनों पक्षों के बीच उच्चस्तरीय संवाद को लगातार बनाए रखने की जरूरत पर भी जोर दिया गया। भारत और चीन के बीच सीमा से जुड़े मुद्दे लंबे समय से द्विपक्षीय संबंधों का संवेदनशील हिस्सा रहे हैं। ऐसे में दोनों देशों के नेतृत्व की ओर से बातचीत और मौजूदा समझौतों के पालन पर जोर को संबंधों में स्थिरता की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। आर्थिक मोर्चे पर भी दोनों देशों के बीच सहयोग और चुनौतियों पर चर्चा हुई। व्यापार असंतुलन और आपूर्ति श्रृंखला से जुड़े मुद्दों को दूर करना दोनों पक्षों के लिए महत्वपूर्ण है। भारत की ओर से ऐसी बाजार पहुंच पर जोर दिया गया, जो पारदर्शी, सार्थक और पूर्वानुमानित हो।

चीन ने ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने में सकारात्मक भूमिका निभाई

थिंक राजस्थान

बीजिंग। नई दिल्ली में 12 और 13 सितंबर को होने वाले 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की भागीदारी को वैश्विक दक्षिण के बीच सहयोग मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। इस वर्ष ब्रिक्स सहयोग तंत्र की स्थापना के 20 वर्ष पूरे हो रहे हैं। दो दशकों में ब्रिक्स का विस्तार हुआ है और उभरती अर्थव्यवस्थाओं तथा विकासशील देशों के बीच इसकी प्रतिनिधित्व क्षमता, प्रभाव और आकर्षण लगातार बढ़ा है। भारत के न्यू साउथ एशिया फोरम के संस्थापक सुदींद्र कुलकर्णी का कहना है कि चीन ने ब्रिक्स सहयोग को मजबूत करने में सकारात्मक भूमिका निभाई है। उनके मुताबिक, न्यू डेवलपमेंट बैंक की स्थापना को बढ़ावा देना, 'ब्रिक्स प्लस' सहयोग मॉडल को आगे बढ़ाना और नई औद्योगिक क्रांति में साझेदारी के लिए नवाचार आधार जैसी पहलों ने ब्रिक्स को बदलते वैश्विक परिदृश्य के अनुरूप बनाए रखने में योगदान दिया है। विशेषज्ञों का मानना है कि राष्ट्रपति शी की आगामी भागीदारी से ब्रिक्स देशों के बीच एकजुटता, पारस्परिक सहयोग और वैश्विक दक्षिण की सामूहिक आवाज को और मजबूती मिल सकती है।

राजस्थान निकाय चुनाव जयपुर के वार्ड 62 में इस बूथ पर दोबारा मतदान का आदेश

थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान राज्य चुनाव आयोग ने निर्देश दिया है कि जयपुर नगर निगम के वार्ड 62 के भाग संख्या 23 के अंतर्गत आने वाले 'सरकारी उच्च प्राथमिक विद्यालय (कमरा नंबर 4), तिला वाला, सांगानेर' स्थित केंद्र पर दोबारा मतदान कराया जाए। आयोग के अनुसार, शनिवार को वोटिंग के दौरान एक घटना हुई, जिसमें 110 ऐसे वोटरों ने पोलिंग स्टेशन पर वोट डाला, जिनके नाम हटाई गई लिस्ट में शामिल थे।

जिला चुनाव अधिकारी और रिटर्निंग अधिकारी की रिपोर्ट की जांच के बाद, आयोग नतीजे पर पहुंचा कि चुनाव प्रक्रिया की निष्पक्षता प्रभावित हुई है। इन हालात को देखते हुए, आयोग ने राजस्थान नगरपालिका (चुनाव) नियम, 1994 के नियम 55 के तहत 13 सितंबर को सुबह 7:00 बजे से शाम 6:00 बजे तक दोबारा वोटिंग कराने के आदेश दिए। आयोग ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया है कि वे सभी चुनाव लड़ने वाले उम्मीदवारों और उनके चुनाव एजेंटों को दोबारा वोटिंग की तारीख, समय और जगह के बारे में लिखित जानकारी दें। उन्हें यह भी निर्देश दिया गया है कि वे संबंधित इलाके में दोबारा वोटिंग की व्यवस्थाओं का व्यापक प्रचार-प्रसार सुनिश्चित करें। दोबारा वोटिंग के दौरान केवल उन्हीं वोटरों को वोट डालने की अनुमति होगी, जो वोट डालने के लिए अधिकृत हैं।

जयपुर निकाय चुनाव डिप्टी सीएम दीया कुमारी के सामने लगे यूसीसी वापस लेने के नारे

थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान में निकाय चुनावों के दूसरे चरण के मतदान के दौरान जयपुर में राजनीतिक माहौल उस समय गरमा गया, जब कुछ लोगों ने एक मतदान केंद्र के बाहर राजस्थान की उपमुख्यमंत्री दीया कुमारी के सामने समान नागरिक संहिता (यूसीसी) वापस लेने की मांग करते हुए नारेबाजी की। शुक्रवार को जयपुर नगर निगम चुनाव के लिए मतदान जारी रहने के दौरान डिप्टी सीएम दीया कुमारी ने शहर के कई मतदान केंद्रों का दौरा किया। हालांकि, विद्याधर नगर विधानसभा क्षेत्र के एक मतदान केंद्र पर उनकी मौजूदगी को लेकर कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने आपत्ति जताई। कांग्रेस नेताओं और कार्यकर्ताओं ने आरोप लगाया कि मतदान के दौरान मतदान केंद्रों का दौरा करना मतदाताओं को प्रभावित करने का प्रयास माना जा सकता है। कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने सवाल उठाया कि मतदान के दिन किसी वरिष्ठ राजनीतिक नेता का मतदान केंद्रों पर जाना कितना उचित है। स्थिति को तनावपूर्ण होता देख मौके पर मौजूद सुरक्षा कर्मियों ने हस्तक्षेप कर मामला शांत कराया। इस दौरान कई मतदाताओं ने भी शिकायत की कि मतदान केंद्र पहुंचने पर उन्हें पता चला कि उनके नाम मतदाता सूची में नहीं हैं। कुछ स्थानीय निवासियों ने आरोप लगाया कि बड़ी संख्या में मतदाताओं के नाम सूची से गायब हैं और इसके लिए बूथ लेवल अधिकारियों (बीएलओ) की लापरवाही जिम्मेदार है। प्रभावित मतदाताओं ने नाराजगी जताते हुए कहा कि यदि उनका नाम मतदाता सूची में नहीं है तो वे अपने मताधिकार का उपयोग कैसे कर पाएंगे। यह मुद्दा उपमुख्यमंत्री की मौजूदगी में भी उठाया गया और लोगों ने प्रशासन से जवाब मांगा। इसी बीच मतदान केंद्र के बाहर कुछ लोगों ने यूनिफॉर्म सिविल कोड (यूसीसी) को वापस लेने की मांग करते हुए नारे लगाए।

तिरंगा लहराने को बेताब 508 भारतीय खिलाड़ी, 35 खेलों में दिखाएंगे अपना दम, यहां देखें टूर्नामिंट का पूरा शेड्यूल

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। एशियन गेम्स 2026 की शुरुआत 19 सितंबर से हो रही है। टूर्नामेंट का आयोजन जापान के आइची-नागोया में किया जाएगा। भारत ने इस महाकुंभ के लिए 508 सदस्यों का विशाल दल भेजा गया है, जो 35 खेल स्पर्धाओं में भारत का प्रतिनिधित्व करेंगे। साल 2022 में एशियाई खेलों में 107 पदकों के साथ चौथा स्थान हासिल किया था। इस बार भारतीय खिलाड़ी पिछले साल से बेहतर करने के इरादे से मैदान में उतरेंगे। भारतीय दल में 272 पुरुष और 236 महिला एथलीट हिस्सा ले रही हैं। जबकि सहदेव यादव को दल का शेफ डी मिशन नियुक्त किया गया है। भारत का सबसे बड़ा दल एथलेटिक्स का है, जिसके बाद हॉकी, क्रिकेट और शूटिंग में 30-30 खिलाड़ी भाग ले रहे हैं। उद्घाटन समारोह 19 सितंबर को पालोमा मिजुहो स्टेडियम में किया जाएगा। हालांकि कई खेलों के मुकाबले पहले से शुरू हो जाएंगे। भारत का अभियान 17 सितंबर को टेकबॉल के साथ शुरू होगा। वहीं, भारतीय महिला क्रिकेट टीम 18 सितंबर को क्वार्टर-फाइनल में जापान के खिलाफ अपना पहला मैच खेलेगी। भारतीय पुरुष और महिला क्रिकेट टीमें सीधे नॉकआउट यानी क्वार्टर फाइनल चरण से अपने अभियान की शुरुआत करेंगी। एशियाई खेलों के इतिहास में 11 पुरुष गोल्ड और 3 महिला गोल्ड मेडल जीतकर सबसे सफल देश रहा भारत एक बार फिर गोल्ड मेडल का प्रबल दावेदार होगा। बैडमिंटन - स्टार शटलर पीवी सिंधु, लक्ष्य सेन, एचएस प्रणय, किदांबी श्रीकांत और सात्विकसाईराज रंकीरेड्डी व चिराग शेट्टी की जोड़ी भारतीय चुनौती की अगुवाई करेगी। कुश्ती व वेटलिफ्टिंग - कॉमनवेल्थ गेम्स 2026 की स्वर्ण पदक विजेता साइखोम मीराबाई चानू (49 किग्रा) 23 से 29 सितंबर के बीच वेटलिफ्टिंग में चुनौती पेश करेंगी। रेसलिंग के मुकाबले 30 सितंबर

से 3 अक्टूबर तक खेले जाएंगे। एशियाई खेलों का समापन समारोह 4 अक्टूबर 2026 को पालोमा मिजुहो स्टेडियम में आयोजित किया जाएगा। भारतीय दल की नजर इस बार खासतौर पर उन खेलों पर रहेगी, जहां पिछले कुछ वर्षों में देश ने अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मजबूत प्रदर्शन किया है। एथलेटिक्स, शूटिंग, बैडमिंटन, कुश्ती, हॉकी और वेटलिफ्टिंग में भारतीय खिलाड़ियों से पदक की उम्मीदें बनी हुई हैं। अनुभवी खिलाड़ियों के साथ युवा प्रतिभाएं भी टीम में शामिल हैं, जिससे कई स्पर्धाओं में भारत की चुनौती मजबूत दिखाई दे रही है। एथलेटिक्स में भारतीय खिलाड़ियों पर सबसे अधिक नजर रहेगी, क्योंकि यह भारत का सबसे बड़ा दल है। ट्रैक एंड फील्ड में खिलाड़ियों के सामने व्यक्तिगत प्रदर्शन में सुधार के साथ पदक हासिल करने की चुनौती होगी। वहीं शूटिंग में भी भारतीय निशानेबाज अपनी सटीकता और अंतरराष्ट्रीय अनुभव के दम पर पदक तालिका में योगदान देने की कोशिश करेंगे।

जम्मू-कश्मीर : गंगबल यात्रा 2026 की तैयारी का डीसी ने लिया जायजा

थिंक राजस्थान

गांदरबल। जम्मू-कश्मीर के गांदरबल के डिप्टी कमिश्नर (डीसी) जतिन किशोर ने शनिवार को नारनाग मंदिर का दौरा किया और आने वाली सालाना गंगबल यात्रा 2026 के लिए की जा रही तैयारियों का जायजा लिया। दौरे के दौरान डिप्टी कमिश्नर ने मौके पर जाकर निरीक्षण किया और तैयारियों व चल रहे कामों का विस्तार से आकलन किया। उन्होंने संबंधित विभागों को सौंपे गए विभिन्न कार्यों की प्रगति की समीक्षा की और उन्हें समय पर पूरा करने के लिए जरूरी निर्देश दिए। डीसी ने सभी संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिया कि वे अपने सौंपे गए कार्यों को तय समय सीमा के भीतर पूरा करें और यह सुनिश्चित करें कि 15 सितंबर तक सभी तैयारियां पूरी हो जाएं। उन्होंने जोर दिया कि यात्रा शुरू होने से काफी पहले ही सभी सुविधाएं पूरी तरह से चालू हो जानी चाहिए। सुविधा व कल्याण को प्राथमिकता देते हुए सौंपे गए सभी कार्यों को समय पर पूरा करने का निर्देश दिया।

ब्रिक्स सहयोग से आगे बढ़ रहा, ज्यादा समावेशी और समृद्ध दुनिया बनाने के लिए भी प्रतिबद्ध : पीएम मोदी

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शनिवार को कहा कि ब्रिक्स सहयोग से संचालित है और अधिक समावेशी और समृद्ध दुनिया को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर ब्रिक्स नेताओं के साथ तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'एक ऐसा ब्रिक्स जो सहयोग से संचालित है और अधिक समावेशी और समृद्ध दुनिया को आकार देने के लिए प्रतिबद्ध है।

दिल्ली शिखर सम्मेलन 2026 के दौरान ब्रिक्स नेताओं के साथ।' विदेश मंत्रालय ने इसे 'एकता और साझा उद्देश्य का क्षण' बताया।

मंत्रालय ने एक्स पर ब्रिक्स नेताओं की तस्वीर साझा करते हुए लिखा, 'नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में ब्रिक्स नेताओं के एक साथ आने पर एकता और साझा उद्देश्य का क्षण।'

वैश्विक व्यापार से US बैन तक..., PM मोदी-पुतिन और पेजेश्कियान की बैठक से ट्रंप को बड़ा मैसेज

थिंक राजस्थान

नई दिल्ली। दिल्ली में शुक्रवार को ब्रिक्स सम्मेलन की शुरुआत से पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, रूस के राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन की बैठक में शामिल हुए। इस दौरान बैठक में पीएम मोदी, रूसी राष्ट्रपति पुतिन और ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियान ने वैश्विक व्यापार से लेकर अमेरिकी प्रतिबंध के मुद्दे को लेकर अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप को सख्त मैसेज दिया है। इस बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने वैश्विक व्यापार के लिए सुरक्षित समुद्री रास्तों और सप्लाई रूट्स के महत्व पर फोकस किया। उन्होंने कहा, 'वैश्विक व्यापार में प्रगति तभी मुमकिन है, जब समुद्री रास्ते सुरक्षित हों, सप्लाई रूट्स खुले रहें और सारे नाविक सुरक्षित हों।

इसीलिए भारत फ्रीडम ऑफ नेविगेशन यानी नौवहन की आजादी और नाविकों की सुरक्षा का प्रबल समर्थक है।'

बता दें, पीएम मोदी का यह बयान ऐसे समय में आया है जब अमेरिका, इजरायल और ईरान के बीच लंबे समय से जारी संघर्ष और तनाव की वजह से वैश्विक ऊर्जा आपूर्ति के लिए महत्वपूर्ण स्ट्रेट ऑफ होर्मुज की नाकेबंदी से सप्लाई चेन प्रभावित हुई है। दूसरी ओर, रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन ने ब्रिक्स बिजनेस फोरम के लीडर्स सेशन को संबोधित किया। उन्होंने कहा, 'इस वक्त वैश्विक अर्थव्यवस्था में संरचनात्मक और व्यापक बदलाव हो रहे हैं।

इसके साथ ही, उभरती अर्थव्यवस्थाएं उन पारंपरिक और पुराने आर्थिक ताकतों की जगह ले रही है, जो 20वीं शताब्दी में उत्तरार्ध में विकास की कतार में सबसे आगे की कतार में हुआ करते थे।'

इस दौरान उन्होंने व्यंग्य करते हुए कहा कि जब मैं पुराने कहता हूं, तो यह सिर्फ एक औपचारिकता है, हम सभी समझते हैं कि हम किसकी बात कर रहे हैं। इस दौरान ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियान ने प्रमुख कैरेंसियों पर निर्भरता को कम करने पर काफी जोर दिया। इसके साथ ही, उन्होंने ब्रिक्स समूह के सदस्यों के बीच व्यापार के लिए अपने राष्ट्रीय कैरेंसी के ज्यादा इस्तेमाल का भी आह्वान किया। उन्होंने कहा, 'सबसे महत्वपूर्ण कदमों में से एक सदस्य देशों के बीच व्यापार में राष्ट्रीय कैरेंसी के इस्तेमाल को बढ़ाना है।'

सीएम योगी से सवाल पूछने पर विवाद : महिला पत्रकार दिव्या श्रीवास्तव ने लगाया अभद्रता, धमकी और ट्रोलिंग का आरोप

थिंक राजस्थान

लखनऊ। उत्तर प्रदेश की राजधानी लखनऊ में मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ की एक प्रेस वार्ता के दौरान सवाल पूछने की कोशिश करने वाली स्वतंत्र पत्रकार दिव्या श्रीवास्तव ने अभद्रता और गंभीर धमकियां मिलने का आरोप लगाया है। घटना से जुड़ा वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल होने के बाद उन्हें ऑनलाइन ट्रोलिंग का भी सामना करना पड़ रहा है। दिव्या का कहना है कि लखनऊ में अकेले रहने के कारण अब उन्हें अपनी सुरक्षा को लेकर गंभीर चिंता सता रही है।

पत्रकार दिव्या श्रीवास्तव के अनुसार, वह मुख्यमंत्री से प्रदेश में बारिश के बाद हुए जलभराव और एक्सप्रेस-वे से जुड़ी समस्याओं पर सवाल करना चाहती थीं। प्रेस कॉन्फ्रेंस में मुख्यमंत्री के संबोधन के बाद जब वे जाने लगे, तो उन्होंने प्रश्न पूछने का प्रयास किया। हालांकि, मुख्यमंत्री हाथ दिखाते हुए मंच से आगे बढ़ गए और उनके साथ मौजूद अन्य भाजपा नेता भी रवाना हो गए।

दिव्या का आरोप है कि इसके तुरंत बाद वहां मौजूद कुछ लोगों ने उन्हें घेरकर उनके साथ अभद्र व्यवहार किया और उनके घर पर बुलडोज़र चलवाने जैसी धमकियां दीं। दूसरी तरफ, भारतीय जनता पार्टी ने इन सभी आरोपों को सिरे से खारिज किया है।

संपादकीय

राष्ट्रीय स्तर पर चमके सरदारशहर के सितारे, दिव्या और मुकुंद का SGFI में चयन

एजेंसी, थिंक राजस्थान

सरदारशहर। 37वीं अखिल भारतीय शूटिंग प्रतियोगिता में शानदार प्रदर्शन कर पदक हासिल करने वाले उच्च माध्यमिक आदर्श विद्या मंदिर, सरदारशहर के दो प्रतिभावान निशानेबाजों ने एक और बड़ी उपलब्धि हासिल की है।

विद्यालय की छात्रा दिव्या राजपुरोहित और छात्र मुकुंद सोनी पुत्र विकास सोनी का प्रतिष्ठित स्कूल गेम्स फेडरेशन ऑफ इंडिया (SGFI) के लिए चयन हुआ है। दोनों खिलाड़ियों ने अचूक निशानेबाजी, बेहतर खेल कौशल, अनुशासन और निरंतर अभ्यास के दम पर यह उपलब्धि हासिल की। SGFI में चयन के बाद दोनों को राष्ट्रीय स्तर पर अपनी प्रतिभा दिखाने का अवसर मिलेगा। इस सफलता में श्याम शूटिंग एकेडमी, सरदारशहर और कोच प्रदीप सिंह के मार्गदर्शन का भी महत्वपूर्ण योगदान रहा। नियमित प्रशिक्षण और अभ्यास के जरिए दोनों खिलाड़ियों ने अपनी निशानेबाजी को निखारा और राष्ट्रीय स्तर की प्रतियोगिता के लिए जगह बनाई। दिव्या और मुकुंद के चयन से आदर्श विद्या मंदिर सहित पूरे सरदारशहर और विद्या भारती परिवार में खुशी का माहौल है। विद्यालय परिवार, प्रधानाध्यापक, अभिभावकों, श्याम शूटिंग एकेडमी, कोच प्रदीप सिंह और क्षेत्रवासियों ने दोनों खिलाड़ियों को बधाई देते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में बेहतर प्रदर्शन की शुभकामनाएं दीं।

दौसा में भीषण सड़क हादसा : जयपुर-आगरा हाईवे पर बस ने बाइक को मारी टक्कर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। जयपुर-आगरा राष्ट्रीय राजमार्ग पर सिविल लाइन के समीप शुक्रवार देर रात एक दर्दनाक सड़क हादसे में बाइक सवार दो युवकों की जान चली गई।

एक अनियंत्रित बस ने बाइक को जोरदार टक्कर मार दी, जिससे दोनों युवक गंभीर रूप से घायल हो गए। हादसे की सूचना मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और दोनों घायलों को तत्काल जिला अस्पताल पहुंचाया, जहां चिकित्सकों ने प्राथमिक जांच के बाद दोनों को मृत घोषित कर दिया। मृतकों की शिनाख्त शहर के जड़ाव फाटक के पास स्थित प्रकाश नगर निवासी अभिषेक महावर (25) और राजवीर गुर्जर (23) के रूप में हुई है। पुलिस ने शनिवार सुबह जिला अस्पताल की मोर्चरी में दोनों शवों का पोस्टमॉर्टम करवाकर अंतिम संस्कार के लिए परिजनों को सौंप दिया और मामले की अग्रिम जांच शुरू कर दी है।

कानोडिया कॉलेज में मना हिंदी दिवस: विविध प्रतियोगिताओं के विजेताओं को मिले पुरस्कार

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। कानोडिया पी.जी. महिला महाविद्यालय जयपुर के हिन्दी विभाग द्वारा आयोजित हिंदी दिवस समारोह विविध प्रतियोगिताओं और पुरस्कार वितरण के साथ भव्य रूप से सम्पन्न हुआ। समारोह के अंतर्गत छात्राओं में भाषाई दक्षता, रचनात्मकता और साहित्यिक रुचि को बढ़ावा देने के उद्देश्य से कई प्रतियोगिताओं का आयोजन किया गया था। समारोह की शुरुआत 9 सितंबर को 'शब्द रसायन' संस्था के संयुक्त तत्वावधान में आयोजित स्वरचित हिन्दी काव्य-पाठ प्रतियोगिता से हुई, जिसमें 20 प्रतिभागियों ने उत्साहपूर्वक अपनी काव्य-रचनाओं की प्रस्तुति दी। इसके पश्चात 10 सितंबर को दो प्रमुख प्रतियोगिताएं आयोजित की गईं। पहली, 'शब्दों से कहानी बुनें...' विषय पर आधारित लघुकथा लेखन प्रतियोगिता थी, जिसमें प्रतिभागियों को दिए गए चुनिंदा शब्दों के आधार पर मौलिक कहानी रचनी थी। इस प्रतियोगिता में वाणिज्य विभाग की शिक्षिका डॉ. नीतू माथुर ने निर्णायक की भूमिका निभाई। परिणाम में शैली मिश्रा (बी. एससी. तृतीय सेमेस्टर) प्रथम, सीपिका लवानिया (बी.एससी. तृतीय सेमेस्टर) द्वितीय और माया गोस्वामी (बी.ए. तृतीय सेमेस्टर) तृतीय स्थान पर रहीं। वहीं किरण कंवर (बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर), डिम्पल जांगिड़ (बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर) तथा वंदना मीणा (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) को सांत्वना पुरस्कार मिला। दूसरी प्रतियोगिता 'देवनागरी लिपि की विशेषताएँ' विषय पर हिन्दी निबंध लेखन के रूप में आयोजित हुई, जिसमें 21 छात्राओं ने हिस्सा लिया। समाजशास्त्र विभाग की शिक्षिका डॉ. स्वीटी माथुर इसकी निर्णायक रहीं। इसमें वन्दना मीणा (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने प्रथम, अंकिता मीणा (बी.ए. प्रथम सेमेस्टर) ने द्वितीय तथा दीपिका (बी.ए. अंग्रेजी ऑनर्स) ने तृतीय स्थान प्राप्त किया। सांत्वना पुरस्कार महिमा (बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर) व मनस्वी मीणा (बी.एससी. प्रथम सेमेस्टर) को दिया गया। समापन समारोह में विजयी प्रतिभागियों को पुरस्कार व प्रमाण-पत्र प्रदान किए गए। समारोह के अंत में हिन्दी विभागाध्यक्ष डॉ. शीताभ शर्मा ने कवि कमलाकर कमल की पंक्तियों "हिन्दी को अधिकार चाहिए, सब लोगों का प्यार चाहिए, निभने एवं निभाने वाला वैचारिक व्यवहार चाहिए" को उद्धत करते हुए विचार रखे और सभी का आभार ज्ञापित किया।

लंपी रोग की रोकथाम के लिए सघन टीकाकरण एवं निगरानी के निर्देश

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्य सचिव वी श्रीनिवास की अध्यक्षता में शनिवार को शासन सचिवालय में राज्य में संचालित महत्वपूर्ण योजनाओं की प्रगति, विकसित भारत—जन सेवा अभियान के संचालन की कार्ययोजना तथा अन्य महत्वपूर्ण विषयों की समीक्षा के संबंध में बैठक आयोजित हुई। बैठक में संबंधित विभागों को अभियान के सफल संचालन के लिए आवश्यक तैयारियां करने तथा अभियान के माध्यम से अधिकाधिक जनभागीदारी सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए। 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर तक चलेगा राज्यव्यापी अभियान 'विकसित भारत' के लक्ष्यों की दिशा में जनभागीदारी सुनिश्चित करने तथा जनसेवा, सामाजिक सरोकार एवं सुशासन की भावना को सुदृढ़ करने के उद्देश्य से प्रदेश में 17 सितम्बर से 17 अक्टूबर, 2026 तक 'विकसित भारत—जन सेवा अभियान' संचालित किया जाएगा। अभियान के तहत प्रदेशभर में जनसेवा एवं जनभागीदारी से जुड़े विभिन्न कार्यक्रम आयोजित किए जाएंगे। उन्होंने जिलों में रोग की स्थिति की निरंतर निगरानी करते हुए आवश्यकता के अनुसार तत्काल कार्यवाही सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

जर्जर सरकारी स्कूल भवनों को जमींदोज करने की तैयारी, शिक्षा विभाग ने तीन दिन में मांगी सूचना

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। प्रदेश के राजकीय विद्यालयों में जर्जर भवनों को लेकर शिक्षा विभाग ने सख्ती शुरू कर दी है। माध्यमिक शिक्षा विभाग ने संभाग के सभी जिलों से अंतिम रूप से जर्जर घोषित विद्यालय भवनों को जमींदोज करने और ऐसे भवनों में संचालित विद्यालयों की वर्तमान स्थिति की विस्तृत सूचना तीन कार्यदिवस में मांगी है। संयुक्त निदेशक (प्रशासन) माध्यमिक शिक्षा राजस्थान, बीकानेर महेंद्र कुमार शर्मा की ओर से जारी निर्देशों में बताया गया है कि जयपुर स्थित राजस्थान हाईकोर्ट में दायर रिट में दिए गए निर्देशों की पालना के तहत विद्यालय भवनों की सुरक्षा ऑडिट सहित आवश्यक कार्रवाई की जा रही है। विभाग के अनुसार सरकारी विद्यालय भवनों का सुरक्षा ऑडिट सार्वजनिक निर्माण विभाग (PWD) के माध्यम से करवाने, विद्यालयों में शौचालय और पेयजल की समुचित व्यवस्था सुनिश्चित करने तथा अंतिम रूप से जर्जर घोषित भवनों को जमींदोज करने के संबंध में पहले भी निर्देश जारी किए जा चुके हैं। संयुक्त निदेशक कार्यालय ने अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि जर्जर घोषित भवनों को जमींदोज किए जाने और ऐसे भवनों में वर्तमान में विद्यालय संचालन की स्थिति की सूचना निर्धारित प्रारूप में तीन कार्यदिवस के भीतर हार्ड कॉपी और सॉफ्ट कॉपी में उपलब्ध कराई जाए। समय पर सूचना नहीं देने से उत्पन्न किसी भी प्रतिकूल परिस्थिति की जिम्मेदारी संबंधित अधिकारी की होगी। निर्देशों के अनुसार सीबीईओ, पीईईओ और यूसीईईओ कार्यालय सीधे संयुक्त निदेशक कार्यालय को सूचना नहीं भेजेंगे। जिला स्तर पर पूरी जानकारी संकलित कर निर्धारित प्रक्रिया के तहत उच्च अधिकारियों को भेजी जाएगी। मुख्य जिला शिक्षा अधिकारियों को अपने जिलों की समस्त सूचना संकलित कर संबंधित संयुक्त निदेशक, स्कूल शिक्षा को समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश दिए गए हैं। न्यायालय के निर्देशों की प्रभावी पालना सुनिश्चित करना है।

हरियालो राजस्थान में पौधारोपण का शत-प्रतिशत सत्यापन अनिवार्य

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। मिशन 'हरियालो-राजस्थान' के तहत वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 में किए गए पौधारोपण का हरियालो एप पर शत-प्रतिशत सत्यापन तत्काल करने के निर्देश दिए गए हैं। हरियालो राजस्थान एप पर इस अवधि में 14.647 करोड़ पौधों का जियोटैग किया गया है। माध्यमिक शिक्षा निदेशक ललित कुमार ने संबंधित अधिकारियों को निर्देश दिए हैं कि अपने-अपने क्षेत्राधिकार में आज ही निर्देश जारी कर सत्यापन कार्य की नियमित समीक्षा सुनिश्चित करें। उन्होंने पौधारोपण सत्यापन को सर्वोच्च प्राथमिकता देते हुए निर्देशों की अक्षरशः पालना सुनिश्चित करने को कहा है। सत्यापन प्रक्रिया का उद्देश्य यह सुनिश्चित करना है कि एप पर दर्ज पौधारोपण की जानकारी वास्तविक स्थिति से मेल खाती है और अभियान के तहत लगाए गए पौधों की प्रगति का सही आकलन किया जा सके। हरियालो एप पर जियोटैगिंग के माध्यम से पौधारोपण स्थलों का डिजिटल रिकॉर्ड तैयार किया गया है।

जोधपुर नगर निगम चुनाव : भाजपा की रातों-रात मोर्चेबंदी, एम्स रोड कार्यालय से गुप्त स्थान पर रवाना की गईं बसें

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जोधपुर। नगर निगम चुनाव के तहत मतदान की प्रक्रिया पूरी होते ही भारतीय जनता पार्टी ने अपने सभी 100 वार्डों के पार्षद प्रत्याशियों को एकजुट रखने के लिए आक्रामक सियासी मोर्चेबंदी शुरू कर दी है। शुक्रवार देर रात एम्स के सामने स्थित भाजपा कार्यालय से सभी पार्षद प्रत्याशियों को लग्जरी बसों में बैठाकर एक अज्ञात गुप्त ठिकाने के लिए रवाना किया गया। प्रत्याशियों के इस तरह एक साथ शहर से बाहर भेजे जाने के बाद जोधपुर के सियासी गलियारों में 'बाड़ेबंदी' को लेकर चर्चाएं गरमा गई हैं। प्रदेश नेतृत्व के निर्देश पर बनी रणनीति प्रत्याशियों को गुप्त स्थान पर सुरक्षित रखने का यह पूरा खाका भाजपा प्रदेश कार्यालय से मिले सख्त दिशा-निर्देशों के बाद खींचा गया है। निर्देशों के तहत भाजपा जिलाध्यक्ष राजेंद्र पालीवाल और चुनाव प्रभारी ओंकार सिंह लखावत ने बंद कमरे में मैराथन बैठक कर इस गोपनीय रणनीति को अंतिम रूप दिया। पार्टी सूत्रों के मुताबिक, दोनों वरिष्ठ नेताओं ने प्रत्याशियों को किसी भी प्रकार के बाहरी संपर्क और सेंधमारी से बचाने के साथ-साथ आगे की राजनीतिक परिस्थितियों के मद्देनजर पुख्ता प्लान तैयार किया है।

इस पूरी कवायद पर भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष एवं जोधपुर संभाग प्रभारी भूपेंद्र सैनी लगातार नजर बनाए हुए हैं और पल-पल का अपडेट ले रहे हैं। मतदान संपन्न होने के बाद संगठन का पूरा जोर प्रत्याशियों को एकजुट रखने पर है, ताकि 14 सितंबर को मतगणना में यदि बहुमत या त्रिशंकु परिणाम की स्थिति बनती है, तो महापौर चुनाव के दौरान पार्टी अपनी शर्तों पर आगे बढ़ सके। जोधपुर में एकीकृत नगर निगम बनने के बाद दोनों प्रमुख दलों के लिए यह चुनाव प्रतिष्ठा की जंग बन चुका है। ऐसे में भाजपा द्वारा मतगणना से पहले ही चली गई यह सियासी चाल निगम की सत्ता पर काबिज होने की बड़ी तैयारी मानी जा रही है।

जनगणना कर्मियों के मानदेय का 15 सितंबर से पहले भुगतान की मांग

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बीकानेर। जनगणना कार्य में लगे प्रगणकों, सुपरवाइजरों एवं अन्य कर्मचारियों के प्रथम चरण के मानदेय का भुगतान अब तक नहीं होने पर राजस्थान शिक्षक संघ (प्रगतिशील) ने नाराजगी जताई है। संगठन ने शासन सचिव एवं सांख्यिकी विभाग, राजस्थान सरकार को ज्ञापन भेजकर 15 सितंबर से पूर्व मानदेय का भुगतान सुनिश्चित करने की मांग की है। प्रदेश मुख्य महामंत्री धर्मेन्द्र गहलोत एवं प्रदेशाध्यक्ष बन्ना राम चौधरी ने कहा कि जनगणना के प्रथम चरण का कार्य 14 जून 2026 को पूरा हो चुका है, लेकिन तीन माह बीतने के बावजूद संबंधित कार्मिकों को मानदेय का भुगतान नहीं किया गया है। इससे प्रदेशभर के शिक्षकों एवं कर्मचारियों में असंतोष बढ़ रहा है। बीकानेर जिलाध्यक्ष आनंद पारीक ने बताया कि जनगणना के प्रथम चरण में प्रगणक, सुपरवाइजर, पर्यवेक्षक सहित अन्य कर्मचारियों ने जिम्मेदारी के साथ कार्य पूरा किया।

नगर निगम सभागार में मतगणना पर्यवेक्षकों एवं सहायकों का प्रशिक्षण आयोजित

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। नगर पालिका आम चुनाव 2026 के तहत जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशानुसार भीलवाड़ा नगर निगम पार्षद/सदस्यों के निर्वाचन के लिए मतगणना कार्य में नियुक्त मतगणना पर्यवेक्षकों एवं मतगणना सहायकों का प्रशिक्षण शनिवार को नगर निगम टाउन हॉल में आयोजित किया गया। नगर निगम की मतगणना के लिए प्रशिक्षण में नियुक्त 33 मतगणना पर्यवेक्षक व 6 आरक्षित कुल 39 एवं 33 मतगणना सहायक व 6 आरक्षित कुल 39 तथा 10 कार्मिक, जो आरओ/एआरओ टेबल पर सहयोग के लिए नियुक्त किए गए हैं, सहित कुल 88 प्रशिक्षणार्थियों ने भाग लिया। प्रशिक्षण के दौरान मतगणना प्रक्रिया, ईवीएम के माध्यम से मतगणना, मतगणना से संबंधित आवश्यक सावधानियों एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप मतगणना कार्य संपादित करने की प्रक्रिया के बारे में विस्तार से जानकारी दी गई। साथ ही कार्मिकों को उनके दायित्वों एवं जिम्मेदारियों से अवगत कराया गया। प्रशिक्षण में मतगणना कार्मिकों को ईवीएम के उपयोग संबंधी व्यावहारिक एवं आवश्यक प्रशिक्षण भी प्रदान किया गया। अधिकारियों ने कार्मिकों से मतगणना कार्य को पूरी पारदर्शिता, निष्पक्षता एवं निर्धारित प्रक्रिया के अनुसार संपादित करने का आह्वान किया।

जिला निर्वाचन अधिकारी के निर्देशन में आयोजित प्रशिक्षण के लिए आवश्यक व्यवस्थाएं सुनिश्चित की गईं। इस दौरान रिटर्निंग अधिकारी एवं अतिरिक्त कलक्टर श्रीमती प्रतिभा देवठिया, सहायक रिटर्निंग अधिकारी श्री प्रमोद सीरवी, प्रशिक्षण शाखा से श्री नारायण जागेटिया सहित अन्य मौजूद रहे। प्रशिक्षण के दौरान कार्मिकों को मतगणना स्थल पर अपनाई जाने वाली प्रक्रिया की जानकारी दी गई। अधिकारियों ने स्पष्ट किया कि प्रत्येक चरण में निर्वाचन आयोग द्वारा निर्धारित नियमों और प्रक्रियाओं का पालन किया जाना आवश्यक है। ईवीएम से प्राप्त परिणामों को सावधानीपूर्वक दर्ज करने और संबंधित अभिलेखों का उचित संधारण करने पर विशेष जोर दिया गया।

नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 : जिला निर्वाचन अधिकारी ने की मतगणना तैयारियों की समीक्षा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। जिला निर्वाचन अधिकारी एवं कलेक्टर डॉ. सौम्या झा ने शनिवार को वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग (वीसी) के माध्यम से जिले के सभी नगरीय निकायों के रिटर्निंग अधिकारियों के साथ बैठक कर नगरीय निकाय आम चुनाव-2026 की 14 सितम्बर को होने वाली मतगणना को लेकर की जा रही तैयारियों की समीक्षा की। जिला निर्वाचन अधिकारी ने संबंधित रिटर्निंग अधिकारियों से मतगणना केंद्रों पर आवश्यक व्यवस्थाओं, सुरक्षा प्रबंधों, मतगणना प्रक्रिया से संबंधित अन्य जरूरी तैयारियों के संबंध में जानकारी ली। उन्होंने मतगणना प्रक्रिया को सुव्यवस्थित, पारदर्शी एवं शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न कराने के लिए सभी आवश्यक व्यवस्थाएं समयबद्ध रूप से सुनिश्चित करने के निर्देश दिए।

उन्होंने संबंधित अधिकारियों को मतगणना से जुड़े दायित्वों का निर्धारित प्रक्रिया एवं निर्वाचन आयोग के दिशा-निर्देशों के अनुरूप निर्वहन करने तथा आपसी समन्वय के साथ व्यवस्थाओं को अंतिम रूप देने के निर्देश दिए। बैठक में उप जिला निर्वाचन अधिकारी एवं अतिरिक्त जिला कलक्टर अरविंद शर्मा, जिला परिषद के मुख्य कार्यकारी अधिकारी बिरदी चंद गंगवाल, अतिरिक्त जिला कलक्टर लालसोट मनमोहन मीणा, नगर विकास न्यास सचिव गंगाधर मीणा, दौसा उपखंड अधिकारी संजू मीणा सहित निर्वाचन से जुड़े अन्य अधिकारी उपस्थित रहे। जिले के सभी नगरीय निकायों के रिटर्निंग अधिकारी वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के माध्यम से बैठक से जुड़े।

इसके लिए सभी संबंधित अधिकारियों को आपसी समन्वय के साथ कार्य करने के निर्देश दिए गए हैं।

चुनाव हारने के बाद इस्तीफा वापस लेने की मांग खारिज, राजस्थान हाईकोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने फैसला सुनाया है कि चुनाव लड़ने के लिए नौकरी से इस्तीफा देने वाला कोई सरकारी कर्मचारी सिर्फ इसलिए दोबारा नौकरी पाने का दावा नहीं कर सकता कि वह चुनाव हार गया है। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की डिवीजन बेंच ने नॉर्थ वेस्टर्न रेलवे के पूर्व सीनियर ऑडिटर नीरज बिश्नोई की याचिका को खारिज करते हुए यह फैसला सुनाया। कोर्ट ने कहा कि चुनाव में हार अपने आप में कोई मजबूत वजह या हालात में बड़ा बदलाव नहीं है, जिसके आधार पर लागू सर्विस नियमों के तहत इस्तीफा वापस लिया जा सके। नीरज बिश्नोई ने राजस्थान विधानसभा चुनाव लड़ने के लिए 10 अक्टूबर, 2023 को अपने पद से इस्तीफा दे दिया था। रेलवे ने 1 नवंबर, 2023 से उनका इस्तीफा स्वीकार कर लिया। इसके बाद उन्होंने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बीएसपी के टिकट पर चुनाव लड़ा, लेकिन हार गए। 1 जनवरी, 2024 को बिश्नोई ने अपना इस्तीफा वापस लेने और सरकारी नौकरी में बहाली के लिए आवेदन किया। विभाग ने 29 जनवरी, 2024 को उनकी अर्जी खारिज कर दी। इसके बाद 22 फरवरी, 2024 को उनकी अपील भी खारिज कर दी गई। फिर वे सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (सीएटी), जयपुर गए और बाद में हाईकोर्ट में इस फैसले को चुनौती दी। हाईकोर्ट में बिश्नोई के वकील ने दलील दी कि इस्तीफा वापस लेने की अर्जी नियमों के तहत तय 90 दिनों की समय-सीमा के भीतर दी गई थी। यह भी तर्क दिया गया कि इस्तीफा देते समय बिश्नोई को इस बात की जानकारी नहीं थी कि इस फैसले का असर उनकी पेंशन और रिटायरमेंट से जुड़े अन्य लाभों पर पड़ेगा। याचिका के अनुसार उन्हें चुनाव हारने के बाद ही इसके नतीजों के बारे में पता चला। याचिकाकर्ता ने तर्क दिया कि यह हालात में बदलाव के बराबर है और उन्हें अपना इस्तीफा वापस लेने की इजाजत मिलनी चाहिए थी। विभाग ने याचिका का विरोध करते हुए कहा कि बिश्नोई ने चुनाव लड़ने के मकसद से ही अपनी मर्जी से इस्तीफा दिया था। उस फैसले पर अमल करने के बाद वे सिर्फ इसलिए अपना इस्तीफा वापस नहीं ले सकते थे कि वे चुनाव में सफल नहीं हो पाए।

राजस्थान/ प्रादेशिक

मरुधरा में होटल पॉलिटिक्स की वापसी : मतदान खत्म होते ही बाड़ेबंदी की गिरफ्त में पार्षद प्रत्याशी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान के लोकतंत्र का सबसे त्रासद और घिनौना यथार्थ यही है कि यहां जनता जिस क्षण वोट डालकर अपनी उंगली की स्याही सुखा रही होती है, उसी क्षण उसके चुने जाने वाले नुमाइंदों के गले में दलीय अविश्वास का पट्टा कस दिया जाता है।

नगर निकाय चुनावों का मतदान शुक्रवार शाम को थमा नहीं कि पूरे प्रदेश में 'बाड़ेबंदी' का वह पुराना, सड़ा-गला सियासी खेल अपने पूरे शबाब पर शुरू हो गया। उदयपुर से लेकर राजधानी जयपुर, बीकानेर से लेकर हाड़ौती और शेखावाटी तक—तस्वीरें जुदा हो सकती हैं, लेकिन पटकथा एक ही है- अपने ही कार्यकर्ताओं और प्रत्याशियों को बंधक बना लो। प्रदेश के दर्जनों कस्बों और शहरों के चौराहों पर शुक्रवार देर रात तक जो दृश्य उभरा, वह किसी जनसेवक की गरिमा का नहीं, बल्कि हांक कर ले जाए जा रहे मवेशियों के रेवड़ जैसा था। मतदान खत्म होते ही प्रत्याशियों को एक जगह तलब किया गया, लग्जरी बसों में ठूंसकर अज्ञात रिसॉर्ट्स और होटलों के लिए रवाना कर दिया गया। किसी का मोबाइल छीन लिया गया, तो किसी पर पार्टी के 'विश्वस्त' पहरेदारों की आंखें गड़ा दी गईं। यह केवल विपक्षी सेंधमारी का खौफ नहीं है; यह उस आंतरिक लोकतंत्र का खोखलापन है जहां हर पार्टी जानती है कि उसने निष्ठावान कार्यकर्ताओं का हक मारकर जिन्हें मैदान में उतारा है, उनकी वफादारी की मियाद सिर्फ वोटों की गिनती तक ही है। यह कैसी विडंबना है कि जो प्रत्याशी कुछ घंटे पहले मोहल्ले की तंग गलियों में हाथ जोड़कर जनता से 'सेवा का एक मौका' मांग रहे थे, वे अपने परिवार और मतदाताओं को एक रात का हिसाब देने लायक भी नहीं समझे गए। चौदह तारीख को परिणाम आने तक यह कैद जारी रहेगी। इसके बाद जीतने वालों को सिर पर बिठाकर आगे की बाड़ेबंदी—यानी बोर्ड अध्यक्ष और मेयर के चुनाव तक—बंधक रखा जाएगा, और हारने वालों को दूध की मक्खी की तरह रिसॉर्ट के बाहर सड़क पर छोड़ दिया जाएगा। राजस्थान की सियासत ने विधायकों की बाड़ेबंदी तो बहुत देखी थी, लेकिन अब वार्ड स्तर के पार्षदों को भी तिजोरी में बंद करने की यह बीमारी बताती है कि हमारे राजनीतिक दल जनता के विवेक और अपने ही कार्यकर्ताओं के चरित्र पर कितना 'भरोसा' करते हैं।

नशामुक्त भारत के निर्माण में भारत सरकार और हरे कृष्ण मूवमेंट का मज़बूत संकल्प

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। नशामुक्त, सशक्त एवं स्वस्थ भारत के निर्माण में गुप्त वृन्दावन धाम, हरे कृष्ण मूवमेंट जयपुर ने एक मजबूत और सार्थक पहल की है। सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय, भारत सरकार और हरे कृष्ण मूवमेंट ने महत्वपूर्ण कदम उठाते हुए एम् ओ यू के माध्यम से नशामुक्ति जागरूकता एवं सामुदायिक सहभागिता को मजबूत करने के लिए हाथ मिलाया है। इस सहभागिता का उद्देश्य हमारे देश का भविष्य, युवाओं को नशे एवं मादक पदार्थों के प्रभावों के प्रति जागरूक करना है, साथ ही भारत के विद्यार्थियों, ग्रामीण समुदायों, कर्मचारियों और समाज के प्रत्येक वर्ग को स्वस्थ, सकारात्मक एवं उद्देश्यपूर्ण जीवनशैली अपनाने के लिए प्रेरित करना है। युवाओं को जीवन की चुनौतियों से लड़ने, आत्मविश्वास बढाने , भावनात्मक दृढ़ता प्राप्त करने और जीवन मूल्यों को समझने में यह एम् ओ यू मील का पत्थर साबित होगा। नशामुक्त युवा, सशक्त समाज और स्वस्थ राष्ट्र सामाजिक न्याय एवं अधिकारिता मंत्रालय और हरे कृष्ण मूवमेंट का साझा उद्देश्य है।

विश्व विख्यात 642वें रामदेवरा मेले का विधिवत शुभारम्भ रविवार को

एजेंसी, थिंक राजस्थान

जैसलमेर। लोक पूज्य बाबा रामदेवजी की अवतरण तिथि भादवा शुक्ल पक्ष द्वितीया, रविवार 13 सितम्बर से विश्व विख्यात अन्तरप्रान्तीय बाबा रामदेवरा मेला विधिवत रूप से प्रारम्भ होगा। रामदेवरा स्थित बाबा की समाधि पर ब्रह्म मुहूर्त में मंगला आरती एवं स्वर्ण मुकुट प्रतिष्ठापन के साथ 642वें वार्षिक भादवा मेले का विधिवत शुभारम्भ होगा। मेले में देशभर से लाखों श्रद्धालुओं के पहुंचने की संभावना को देखते हुए जिला प्रशासन, पुलिस प्रशासन एवं मेला प्रशासन द्वारा श्रद्धालुओं की सुविधा, सुरक्षा एवं सुगम दर्शन के लिए सभी आवश्यक तैयारियां पूर्ण कर ली गई हैं। जिला कलक्टर अनुपमा जोरवाल ने बताया कि मेले में श्रद्धालुओं की संभावित भारी आवक को देखते हुए प्रशासन द्वारा व्यवस्थाएं समय रहते प्रारम्भ कर दी गई थीं। कानून एवं शांति व्यवस्था के लिए पर्याप्त पुलिस जाब्ता तैनात किया गया है। मेले की प्रत्येक गतिविधि पर प्रभावी निगरानी के लिए क्लोज सर्किट कैमरे लगाए गए हैं।

भरतपुर में नाबालिग से मारपीट और झूठे मामले में फंसाने के आरोप

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भरतपुर। राजस्थान के भरतपुर जिले में 16 वर्षीय एक नाबालिग से कथित मारपीट, धमकी और झूठे हथियार मामले में फंसाने के आरोप में सात पुलिसकर्मियों के खिलाफ मामला दर्ज किया गया है। आरोपियों में जिला स्पेशल टीम (डीएसटी) से जुड़े पांच पुलिसकर्मी, मथुरा गेट थाने में तैनात एक सहायक उपनिरीक्षक (एएसआई) और एक अन्य पुलिस अधिकारी शामिल हैं। नाबालिग की बुआ की शिकायत पर पुलिसकर्मियों के खिलाफ पॉक्सो एक्ट सहित अन्य संबंधित धाराओं के तहत मामला दर्ज किया गया है। शिकायत के अनुसार, नाबालिग ने पिछले वर्ष दिसंबर में भरतपुर में किराए की कार का व्यवसाय शुरू किया था। आरोप है कि इसके बाद डीएसटी के कांस्टेबल दशरथ ने उससे हर महीने 10 हजार रुपए की मांग शुरू कर दी। परिवार का आरोप है कि डर के कारण नाबालिग ने लगातार तीन महीने तक रुपए दिए। हालांकि, बाद में आर्थिक नुकसान के कारण उसका व्यवसाय बंद हो गया, लेकिन पैसों की मांग जारी रही। 21 अगस्त को लौटते समय सुबह करीब 9 बजे उसकी कार का टायर पंक्चर हो गया।

बालेसर थाने के बाहर धरना समाप्त, शनिवार सुबह तीनों युवक रिहा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बालेसर। बालेसर के देवनगर में शुक्रवार को विकास कार्यों के लोकार्पण कार्यक्रम के दौरान तीन युवकों को शांति भंग के आरोप में गिरफ्तार करने के बाद ग्रामीणों ने बालेसर थाने के बाहर धरना शुरू कर दिया था। ग्रामीण तीनों युवकों की रिहाई की मांग को लेकर रातभर धरने पर बैठे रहे। दरअसल, शेरगढ़ विधायक बाबूसिंह राठौड़ के कार्यक्रम के दौरान युवकों ने स्कूल में शिक्षकों की कमी का मुद्दा उठाया था। इसके बाद पुलिस ने मालाराम बोरावट, सुरेश कुमार माली और रमेश राम को गिरफ्तार किया था। पुलिस अधिकारियों और ग्रामीणों के बीच कई दौर की बातचीत के बाद शनिवार सुबह सहमति बनी और तीनों युवकों को रिहा कर दिया गया। इसके बाद ग्रामीणों ने धरना समाप्त कर दिया। इधर, लोकार्पण से एक दिन पहले देवनगर में सड़क की लोकार्पण पट्टिका तोड़े जाने को लेकर पीडब्ल्यूडी अधिकारियों ने अज्ञात लोगों के खिलाफ थाने में शिकायत भी दर्ज कराई थी।

नि:शुल्क डायलिसिस सेवाओं का विस्तार - सितंबर माह में 78 चिकित्सा संस्थानों में डायलसिस की सुविधा होगी प्रारम्भ

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा एवं चिकित्सा एवं स्वास्थ्य मंत्री गजेन्द्र सिंह खींवसर के निर्देशन में प्रदेश में किडनी रोगियों को आसानी से और नि:शुल्क डायलिसिस सुविधा उपलब्ध कराने के लिए लगातार प्रयास किए जा रहे हैं। प्रदेश में अब तक 16,003 मरीजों को कुल 1,17,258 डायलिसिस सेशन की नि:शुल्क सुविधा उपलब्ध कराई गई है। इन सेवाओं के तहत मरीजों को उपलब्ध कराई गई उपचार सुविधा का कुल अनुमानित मूल्य करीब 21.11 करोड़ रुपए है।

प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस कार्यक्रम के तहत प्रदेश के 35 जिला चिकित्सालयों में 149 डायलिसिस मशीनें संचालित हैं। प्रमुख शासन सचिव चिकित्सा एवं स्वास्थ्य गायत्री राठौड़ ने कहा कि वित्तीय वर्ष 2026-27 में अप्रैल से अगस्त 2026 तक प्रदेश में 4,265 मरीजों को 31,675 डायलिसिस सेशन की नि:शुल्क सुविधा दी जा चुकी है। इनमें प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस कार्यक्रम के तहत 35 केंद्रों पर 3,489 मरीजों को 25,860 सेशन तथा बजट घोषणा के तहत चिन्हित चिकित्सा संस्थानों में 776 मरीजों के 5,815 सेशन शामिल हैं। इनमें प्रधानमंत्री नेशनल डायलिसिस कार्यक्रम के 35 केंद्रों पर 8,507 मरीजों के 65,148 सेशन तथा बजट घोषणा के तहत चिन्हित चिकित्सा संस्थानों में 3,198 मरीजों के 19,187 सेशन शामिल हैं। इनमें से 102 चिकित्सा संस्थानों में सुविधा उपलब्ध है।

सरकारी कर्मचारियों के चुनाव लड़ने पर हाईकोर्ट का बड़ा फैसला : हार या जीत के बाद नहीं मिल सकेगी दोबारा नौकरी

जयपुर, थिंक राजस्थान

जयपुर। राजस्थान हाईकोर्ट ने स्पष्ट व्यवस्था दी है कि यदि कोई सरकारी अधिकारी या कर्मचारी राजनीति में उतरने के लिए अपनी नौकरी से इस्तीफा देता है, तो वह चुनाव हारने या जीतने के बाद दोबारा सेवा में बहाली का दावा नहीं कर सकता। जस्टिस इंद्रजीत सिंह और जस्टिस संदीप तनेजा की खंडपीठ ने याचिकाकर्ता नीरज बिश्नोई की याचिका को खारिज करते हुए सेंट्रल एडमिनिस्ट्रेटिव ट्रिब्यूनल (CAT), जयपुर के फैसले पर अपनी मुहर लगा दी। अदालत ने टिप्पणी की कि चुनाव में हार जाना कोई ऐसा अप्रत्याशित या बाध्यकारी कारण नहीं है, जिसे नियमों के तहत सेवा बहाली के लिए 'परिस्थितियों में अहम बदलाव' माना जा सके। याचिकाकर्ता ने स्वेच्छा से चुनाव लड़ने के लिए पद छोड़ा था और उस निर्णय पर अमल करते हुए चुनाव भी लड़ा। याचिकाकर्ता नीरज बिश्नोई उत्तर पश्चिम रेलवे (NWR) में सीनियर ऑडिटर के पद पर कार्यरत थे। राजस्थान विधानसभा चुनाव-2023 लड़ने के उद्देश्य से उन्होंने 10 अक्टूबर 2023 को अपने पद से इस्तीफा सौंपा था, जिसे विभाग ने 1 नवंबर 2023 को स्वीकार कर लिया। इसके बाद बिश्नोई ने चूरू जिले की रतनगढ़ विधानसभा सीट से बहुजन समाज पार्टी (बसपा) के सिंबल पर चुनाव लड़ा, जिसमें उन्हें हार का सामना करना पड़ा। हार के बाद 1 जनवरी 2024 को उन्होंने विभाग में आवेदन देकर अपना इस्तीफा वापस लेने और सरकारी सेवा में बहाल करने की गुहार लगाई। रेलवे प्रशासन ने 29 जनवरी 2024 को उनका यह अनुरोध खारिज कर दिया और 22 फरवरी को उनकी अपील भी निरस्त कर दी गई। इसके खिलाफ बिश्नोई पहले कैट और फिर हाईकोर्ट पहुंचे थे। याचिकाकर्ता की ओर से दलील दी गई कि उन्होंने नियमों के तहत तय 90 दिनों की समय सीमा के भीतर इस्तीफा वापस लेने का आवेदन कर दिया था। साथ ही यह तर्क भी रखा गया कि इस्तीफा देते वक्त उन्हें यह अहसास नहीं था कि इसका असर उनकी पेंशन और अन्य रिटायरमेंट परिलाभों पर पड़ेगा; लिहाजा इसे परिस्थितियों का बदलाव मानकर सेवा में वापस लिया जाए। जिसके आधार पर इस्तीफा वापस लेने की छूट दी जाए।

लालसोट रेलवे स्टेशन पर मॉक ड्रिल, रेल दुर्घटना में राहत-बचाव तैयारियों को परखा

एजेंसी, थिंक राजस्थान

लालसोट। उत्तर पश्चिम रेलवे के जयपुर मंडल की ओर से शनिवार को दौसा-गंगापुर सिटी रेलखंड के लालसोट रेलवे स्टेशन पर दुर्घटना राहत एवं बचाव व्यवस्थाओं की मॉक ड्रिल आयोजित की गई। इसमें रेलवे के विभिन्न विभागों के साथ एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होम गार्ड, फायर विभाग और जिला प्रशासन की टीमों ने संयुक्त रूप से भाग लिया। मॉक ड्रिल का उद्देश्य संभावित रेल दुर्घटना की स्थिति में रेलवे और संबंधित एजेंसियों की त्वरित प्रतिक्रिया क्षमता, राहत-बचाव संसाधनों की उपलब्धता तथा आपसी समन्वय को परखना था। वहीं एनडीआरएफ, एसडीआरएफ, सिविल डिफेंस, होम गार्ड तथा फायर विभाग की टीमों ने भी राहत एवं बचाव कार्यों का व्यावहारिक अभ्यास किया। मॉक ड्रिल की घोषणा सुबह 11:44 बजे की गई।

रामद्वारा में श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह एवं 108 मूल भागवत पाठ का भव्य आयोजन कल से

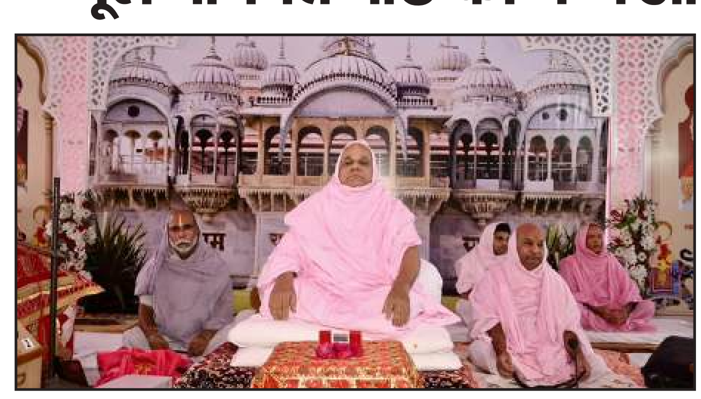

एजेंसी, थिंक राजस्थान

भीलवाड़ा। रामस्नेही सम्प्रदाय की सृजन धरा भीलवाड़ा के माणिक्यनगर स्थित रामद्वारा में अन्तरराष्ट्रीय रामस्नेही सम्प्रदाय शाहपुरा के पीठाधीश्वर जगतगुरू आचार्य स्वामी श्रीरामदयालजी महाराज के सानिध्य में ''विश्व शांति कल्याण'' चातुर्मास के तहत रविवार 13 सितम्बर से 20 सितम्बर तक विराट श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का आयोजन होने जा रहा है। इसमें भागवत भक्ति, भक्त व भगवान पर चर्चा एवं जीवन दर्शन पर प्रवचन होंगे। इस दौरान 108 भागवत मूल पाठ का एतिहासिक आयोजन भी होगा। पुष्कर से आने वाले 108 वेद पाठी विद्वान पंडित भागवत का मूल पाठ करेंगे। इन 108 भागवत का पूजन 108 यजमान परिवार करेंगे। इस सप्ताह में प्रतिदिन सुबह 8.30 से 10.30 बजे तक एवं दोपहर 2 से 4 बजे तक श्रीमद् भागवत कथा एवं सुबह 10.30 बजे से 11.30 बजे तक एवं शाम को 4 से 5 बजे तक श्रीवाणीजी का प्रवचन होगा। वाणीजी का प्रवचन आचार्य श्री रामदयालजी महाराज के मुखारबिंद से होगा। श्रीमद् भागवत कथा का वाचन संत मनोरथराम रामजी राम मचलाना द्वारा किया जाएगा। इस आयोजन में शामिल होने के लिए देश के विभिन्न क्षेत्रों से श्रद्धालु भीलवाड़ा पहुंच रहे है। आचार्य रामदयाल महाराज ने शनिवार को सत्संग में बताया कि चातुर्मास कमेटी ने इस आयोजन को लेकर व्यापक तैयारियां की है। ये आयोजन धर्म एवं भक्ति का नया इतिहास रचेगा ऐसा विश्वास है। रविवार सुबह 7 से 8 बजे तक 108 मूल भागवत का पूजन होगा। इसमें जजमान भी मौजूद रहेंगे। सुबह 9 बजे श्रीमद् भागवत के व्यास पीठ पर आने के साथ श्रीमद् भागवत ज्ञान सप्ताह का विधिवत आगाज होगा। जहां मूल भागवत पाठ चलेगा वहां बाहर से भी अन्य लोग दर्शन कर सकेंगे। अमरीका सहित दुनिया के कई देशों में रहने वाले श्रद्धालुओं की भावना के अनुरूप मूल भागवत के वर्चुअल पूजन की व्यवस्था भी की गई है। ऐसे श्रद्धालुओं के लिए ऑनलाइन पूजन भी चलेगा। सत्संग में आचार्य रामदयाल महाराज ने कहा कि हम दुनिया से अपेक्षा रखते है पर खुद धर्म की पालना नहीं करते है।

बारां नगर परिषद चुनाव के बीच बड़ी खबर! वोटिंग के बाद बेटे और पति सहित लापता हुईं भाजपा प्रत्याशी, अपहरण का केस दर्ज

एजेंसी, थिंक राजस्थान

बारां। बारां नगर परिषद चुनाव के पहले चरण के मतदान के बाद वार्ड नंबर 16 से सियासी हलचल तेज हो गई है। यहां से भाजपा प्रत्याशी एडवोकेट अंतिमा यादव अपने पति और बच्चे समेत मतदान के बाद से अचानक लापता हो गई हैं। परिजनों की शिकायत पर कोतवाली थाना पुलिस ने अज्ञात लोगों के खिलाफ अपहरण का मामला दर्ज कर जांच शुरू कर दी है। जानकारी के अनुसार भाजपा प्रत्याशी अंतिमा यादव और उनके पति संजय यादव दोनों पेशे से अधिवक्ता हैं। 9 सितंबर को पहले चरण का मतदान संपन्न हुआ था। परिजनों का आरोप है कि मतदान के दिन अंबेडकर भवन स्थित मतदान केंद्र पर जनसंपर्क के बाद घर लौटते समय अज्ञात लोगों ने उन्हें जबरन अपने साथ ले लिया। घटना के बाद से ही अंतिमा यादव, उनके पति संजय यादव और उनके 7-8 साल के मासूम बच्चे के तीनों मोबाइल फोन लगातार बंद आ रहे हैं। इससे परिवार में दहशत का माहौल है। परिजन राजेंद्र यादव ने बताया कि वह खुद मतदान केंद्र पर पोलिंग एजेंट के रूप में तैनात थे। शाम करीब 5 बजे तक अंतिमा बूथ पर ही दिखाई दी थीं। मतदान खत्म होने के बाद जब वह घर नहीं पहुंची तो तलाश शुरू की गई, लेकिन कोई सुराग नहीं लगा। इसके बाद अंतिमा की सास अंगूरी बाई और मां कृष्णा बाई ने कोतवाली थाने में रिपोर्ट दर्ज कराई। इधर, भाजपा संगठन से भी संपर्क टूटने से पार्टी में चिंता बढ़ गई है। भाजपा नगर अध्यक्ष ओपी पारेता ने बताया कि मतदान के बाद पार्टी सभी प्रत्याशियों से फीडबैक लेती है और आवश्यकता पड़ने पर कार्यालय बुलाती है, लेकिन अंतिमा यादव से मतदान के बाद से कोई संपर्क नहीं हो पाया है। परिवार से भी कोई जानकारी नहीं मिली है। पार्टी अपने स्तर पर उनकी तलाश कर रही है। वार्ड 16 में भाजपा की स्थिति मजबूत है और जीत की पूरी उम्मीद है। वहीं कोतवाली थाना सीआई हीरालाल पुनिया ने बताया कि शिकायत के आधार पर मामला दर्ज कर लिया गया है। आसपास के मार्गों पर लगे सीसीटीवी कैमरों की फुटेज खंगाली जा रही है और सभी पहलुओं पर जांच की जा रही है। गौरतलब है कि मतदान के बाद प्रत्याशियों की बाड़ाबंदी की चर्चाओं के बीच भाजपा प्रत्याशी के परिवार समेत लापता होने से कई तरह के कयास लगाए जा रहे हैं। पुलिस का कहना है कि जांच के बाद ही स्पष्ट हो पाएगा कि यह अपहरण है या इसके पीछे कोई अन्य कारण है। मामले की गंभीरता को देखते हुए पुलिस ने संभावित स्थानों और आने-जाने वाले मार्गों की जानकारी जुटानी शुरू कर दी है।

8वीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में उतरेंगे 200 फाइटर्स, सुंदरदास स्मारक में गूंजेंगे देशभक्ति के सुर

एजेंसी, थिंक राजस्थान

दौसा। दौसा शहर में रविवार, 13 सितंबर को खेल प्रतिभा और सांस्कृतिक राष्ट्रवाद का अनूठा संगम देखने को मिलेगा। शहर में एक ओर जहां राज्यभर के युवा मार्शल आर्ट्स खिलाड़ी 8वीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप में पदकों के लिए जोर आजमाइश करेंगे, वहीं दूसरी ओर भारत विकास परिषद के तत्वावधान में स्कूली छात्र-छात्राएं राष्ट्रीय समूहगान प्रतियोगिता के जरिए अपनी सुरमयी प्रस्तुतियां देंगे। रावत पैलेस में 8वीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2026-27 जिला कराटे संघ दौसा (DKAD) की मेजबानी में 8वीं राजस्थान स्टेट कराटे चैंपियनशिप 2026-27 का आयोजन 13 सितंबर को रावत पैलेस में होगा। दुर्गा वाहिनी की जिला संयोजिका व पवन मार्शल आर्ट एकेडमी की जिला संयोजिका जय शिखा शर्मा ने बताया कि चैंपियनशिप का उद्देश्य युवा खिलाड़ियों को अपनी खेल प्रतिभा के प्रदर्शन के साथ-साथ शारीरिक एवं मानसिक आत्मरक्षा के लिए तैयार करना है। प्रतियोगिता में राजस्थान के विभिन्न जिलों से करीब 200 खिलाड़ी हिस्सा ले रहे हैं। प्रतियोगिता का उद्घाटन सुबह 9:00 बजे किया जाएगा। इसमें 'सनातन महापरिषद भारत' के राष्ट्रीय अध्यक्ष सी. एम. पांडे मुख्य अतिथि होंगे, जबकि प्रदेश अध्यक्ष बृज मोहन शर्मा विशिष्ट अतिथि और जिलाध्यक्ष सुशील शर्मा अतिथि के रूप में मौजूद रहेंगे। दोपहर 12:00 से 2:00 बजे के बीच राष्ट्रीय अध्यक्ष सी. एम. पांडे राजस्थान कार्यकारिणी के नवनियुक्त पदाधिकारियों को मनोनयन पत्र सौंपेंगे और प्रेस को संबोधित करेंगे। समापन समारोह में अतिथियों सहित जिला कराटे संघ के संरक्षक अशोक पाराशर, अध्यक्ष लोकेश शर्मा, सचिव पवन कुमार शर्मा, उमेश कुमार शर्मा, सत्येंद्र डोथड़ा और डॉ. भगवान सहाय शर्मा विजेता खिलाड़ियों को मेडल व प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित करेंगे। प्रत्येक टीम में 6 से 8 गायक और 3 वाद्य यंत्र वादक शामिल होंगे, जो हिंदी और संस्कृत दोनों भाषाओं में प्रस्तुतियां देंगे।

मनोरंजन समाचार

1.5 एकड़ में फैला मिथुन चक्रवर्ती का आलीशान फार्महाउस, परिवार के हर सदस्य के लिए अलग कॉटेज

मिथुन चक्रवर्ती ने 70 के दशक में अपने एक्टिंग करियर की शुरुआत की थी। उन्होंने 1976 में मृणाल सेन के निर्देशन में बनी 'मृगया' से अभिनय की दुनिया में कदम रखा, जिसके लिए उन्हें बेस्ट एक्टर का नेशनल फिल्म अवॉर्ड भी मिला था। आज मिथुन चक्रवर्ती करोड़ों के मालिक हैं, देश में कई जगहों पर उनकी प्रॉपर्टी है, लेकिन एक समय था जब उन्होंने अपनी जिंदगी में काफी संघर्षों का सामना किया। उन्होंने फुटपाथ पर सोने से लेकर स्टारडम पाने तक का सफर तय किया और अपनी पीढ़ी के सबसे बड़े स्टार्स में से एक रहे। मिथुन चक्रवर्ती खुद कई बार उन दिनों के बारे में बात कर चुके हैं जब उन्हें सड़कों पर सोना पड़ा, वॉशरूम इस्तेमाल करने के बदले ऑफिस की सफाई करनी पड़ी। ये तब भी उनके साथ हुआ जब वह फिल्मों में कदम रख चुके थे। लेकिन, आज उनके पास देश में कई प्रॉपर्टीज हैं, जिनमें उनका मध आइलैंड स्थित बड़ा सा फार्महाउस भी शामिल है। 1.5 एकड़ में फैले इस फार्महाउस में घर के हर सदस्य के लिए अलग-अलग कॉटेज है और यहां 22 पालतू जानवर रहते हैं। मिथुन चक्रवर्ती के बेटे नमाशी चक्रवर्ती ने पिंकविला से बात करते हुए इस बंगले की कहानी के बारे में बताया। नमाशी के अनुसार, उनके माता-पिता यानी मिथुन चक्रवर्ती और योगिता बाली ने ये बंगला 1985 में अपने बड़े बेटे मिमोह चक्रवर्ती के जन्म के कुछ महीने बाद लिया था। इसी लिए उन्होंने इस घर का नाम भी अपने बेटे मिमोह के नाम पर ही रखा है। नमाशी बताते हैं कि कुछ सालों के लिए उनका परिवार ऊटी चला गया था और जब वहां से मुंबई लौटा तो मध आइलैंड वाले बंगले में पूरी तरह शिफ्ट हो गया। जबकि, इससे पहले तक उस फार्महाउस को हॉलिडे होम के तौर पर इस्तेमाल किया जाता था। मिथुन चक्रवर्ती का ये बंगला चारों तरफ से हरियाली से घिरा है और यहां परिवार के हर सदस्य के लिए अलग-अलग कॉटेज है। इसके अलावा इस बंगले में परिवार के 22 कुत्तों के लिए भी जगह है। नमाशी ने बताया कि उनके पिता को गार्डनिंग का काफी शौक है और वह जब भी यहां आते हैं अपने गार्डनिंग के शौक को पूरा करते हैं। नमाशी ने यहां अपने पिता का पहला घर भी दिखाया, जो एक पीली 'वोक्सवैगन बीटल' है। नमाशी ने बताया कि जब उनके पिता यानी मिथुन चक्रवर्ती मुंबई आए तो उनके पास रहने के लिए घर नहीं था। ऐसे में उन्होंने शुरुआत में 15 दिन इसी पीली बीटल में गुजारे थे। ये उनका मुंबई में पहला घर था।

ये गाड़ी अब चलाने की हालत में नहीं है, लेकिन मिथुन चक्रवर्ती की काफी यादें इस कार से जुड़ी हैं, जिसके चलते वह इसके रख-रखाव में कोई कमी नहीं छोड़ते। नमाशी ने घर की उस दीवार की झलक भी दिखाई, जो मिथुन चक्रवर्ती के शानदार करियर की झलक दिखाया है। इस दीवार पर उन्हें मिले सम्मान, पुरस्कार और फैंस से मिले उनके स्केच सुसज्जित हैं और दूसरी दीवार पर मशहूर और सम्मानित हस्तियों के साथ तस्वीरें लगी हैं। पिछले दिनों मिथुन चक्रवर्ती अपनी सेहत संबंधी समस्याओं के चलते चर्चा में रहे।

'प्रेम कीटाणु' की रिलीज़ से पहले वीर पहाड़िया ने कामाख्या मंदिर में लिया आशीर्वाद

अभिनेता वीर पहाड़िया ने अपनी आगामी फिल्म प्रेम कीटाणु की रिलीज़ से पहले हाल ही में असम स्थित प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर में दर्शन कर मां कामाख्या का आशीर्वाद लिया। अपनी इस आध्यात्मिक यात्रा की झलक सोशल मीडिया पर साझा करते हुए अभिनेता ने मंदिर परिसर की एक तस्वीर पोस्ट की है, जिसके साथ उन्होंने लिखा है, "जय जय मां कामाख्या।" इस दौरान वीर पारंपरिक नीले कुर्ते के साथ लाल और सुनहरे रंग का आकर्षक स्टोलअंगवस्त्र पहने नजर आए। मंदिर में प्रार्थना करते हुए उनका यह शांत और आध्यात्मिक अंदाज ऐसे समय में सामने आया है, जब वह अपनी अगली बड़ी फिल्म की रिलीज़ 'प्रेम कीटाणु' की तैयारी में लगे हैं। 'प्रेम कीटाणु' का निर्देशन अपूर्व सिंह कार्की ने किया है। फिल्म में वीर पहाड़िया के साथ अपारशक्ति खुराना, आफिया सैयद, राकेश बेदी और निखिल विजय भी महत्वपूर्ण भूमिकाओं में नजर आनेवाले हैं। यह फिल्म युवाओं के एक समूह की कहानी है, जो कॉलेज लाइफ, दोस्ती, प्यार, सपनों और दिल टूटने के अनुभवों से गुजरते हैं।

यह फिल्म दुनिया भर के सिनेमाघरों में 2 अक्टूबर 2026, गांधी जयंती के अवसर पर रिलीज़ होने वाली है। यह निर्माता गौरव वर्मा के बैनर अवनीका फिल्म्स की पहली प्रोडक्शन भी है। स्काई फोर्स से अभिनय की शुरुआत करने वाले वीर पहाड़िया अब 'प्रेम कीटाणु' के जरिए एक अलग तरह की भूमिका और जॉनर में नजर आने के लिए तैयार हैं। फिल्म का प्रमोशनल कैंपेन शुरू हो चुका है और "तू मेरा रइय्यो" जैसे गाने भी दर्शकों के बीच पहुंच रहे हैं, जिससे इस रोमांटिक कॉमेडी को लेकर उत्सुकता बढ़ रही है।

हमें ऐसी कहानी चाहिए जो आज भी मायने रखने वाली साधारण और खूबसूरत बातों की याद दिलाएं

नेशनल अवॉर्ड जीतने वाली एक्ट्रेस मानसी पारेख, जो अपनी आने वाली गुजराती फिल्म 'मित्रताः फ्रेंडशिप नी लव स्टोरी' की रिलीज का इंतजार कर रही हैं, ने उन कहानियों की अहमियत के बारे में बात की है, जो हमें उन साधारण और खूबसूरत चीजों की याद दिलाती हैं जो आज भी मायने रखती हैं। इस फिल्म में विराज घेलानी, दीप वैद्य और विशाल पारेख भी हैं। यह दोस्ती के विषय पर आधारित है। फिल्म का ट्रेलर शुक्रवार को रिलीज किया गया, जिसमें 3 दोस्तों की जिंदगी और उनके बीच के रिश्तों को दिखाया गया है। फिल्म दोस्ती के कई पहलुओं और जिंदगी के बदलते दौर में मजबूत होने वाले रिश्तों को दिखाती है। फिल्म के बारे में बात करते हुए सोल सूत्र के प्रोड्यूसर मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल ने कहा, "'मित्रता' के केंद्र में एक बहुत ही सरल और आम भावना हैः दोस्ती। आज के निराशावादी दौर में हमें ऐसी कहानियों की जरूरत है जो हमें उन सरल, खूबसूरत चीजों की याद दिलाएं जो आज भी मायने रखती हैं, और दोस्ती उनमें से एक है। हम सभी की जिंदगी में ऐसे लोग होते हैं, जिन्होंने हमारे अलग-अलग रूप देखे हैं और हर हाल में हमारे साथ रहे हैं। ओनिल ने उस भावना को एक ऐसी दुनिया में उतारा है, जो मनोरंजक, गर्मजोशी से भरी और भावनाओं से भरपूर है। हम आखिरकार दर्शकों के साथ 'मित्रता' की दुनिया को साझा करने के लिए उत्साहित हैं।" यह फिल्म उनकी गुजराती ब्लॉकबस्टर 'झमकूड़ी' के बाद एक्ट्रेस और उनके (को-स्टार) के फिर से साथ आने का मौका है। विराज घेलानी ने कहा, "दोस्ती शायद उन कुछ रिश्तों में से एक है जहां आप बिना किसी दिखावे के खुद जैसे हो सकते हैं, और यही बात 'मित्रता' को इतना अपना-सा बनाती है। फिल्म में दोस्तों के ग्रुप से उम्मीद की जाने वाली मजाक-मस्ती और पागलपन तो है ही, लेकिन इसमें कुछ शांत पल भी हैं जो आपको याद दिलाते हैं कि ये रिश्ते इतने मायने क्यों रखते हैं। सेट पर हम सभी के बीच की एनर्जी बहुत नैचुरल थी, और मुझे लगता है कि यह ट्रेलर में भी झलकती है। मैं सच में उत्साहित हूं कि दर्शक इन किरदारों से मिलें और उनके सफर का अनुभव करें।" फिल्म ने अमित त्रिवेदी द्वारा कंपोज किए गए 'मित्रता एंथम' के साथ पहले ही लोगों में उत्सुकता पैदा कर दी है, जो कहानी के केंद्र में दोस्ती की भावना को दर्शाता है। गाने की लाइन 'तारी मारी दोस्ती' सोशल मीडिया पर तुरंत हिट हो गई है और दर्शक अपने दोस्तों के ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट कर रहे हैं। सोल सूत्र द्वारा प्रस्तुत, इस फिल्म के डायरेक्टर ओनिल कार्निक हैं, इसे पार्थिव गोहिल और मानसी पारेख ने प्रोड्यूस किया है, और यह 25 सितंबर, 2026 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी। ट्रेलर रिलीज के बाद फिल्म को लेकर दर्शकों की दिलचस्पी और बढ़ गई है। तीन दोस्तों की कहानी के जरिए फिल्म में दोस्ती के साथ-साथ जीवन में आने वाले बदलावों और रिश्तों की मजबूती को दिखाने की कोशिश की गई है। कहानी में हल्के-फुल्के हास्य के साथ भावनात्मक क्षण भी देखने को मिलेंगे, जिससे फिल्म को पारिवारिक और युवा दर्शकों से जुड़ने की उम्मीद है। मानसी पारेख और पार्थिव गोहिल के लिए यह प्रोजेक्ट गुजराती सिनेमा में अपनी पिछली सफलता के बाद एक और महत्वपूर्ण पेशकश है। 'झमकूड़ी' के बाद दर्शक एक बार फिर मानसी और उनकी टीम को साथ देखने के लिए उत्साहित हैं। फिल्म के जरिए गुजराती सिनेमा में दोस्ती पर केंद्रित कहानी को नए अंदाज में पेश करने की कोशिश की गई है। 'मित्रता एंथम' फिल्म के प्रचार अभियान का अहम हिस्सा बन चुका है। अमित त्रिवेदी के संगीत से तैयार इस गाने की 'तारी मारी दोस्ती' लाइन सोशल मीडिया पर लोगों का ध्यान खींच रही है। दोस्त अपने ग्रुप के साथ इसके स्टेप्स को रीक्रिएट कर रहे हैं, जिससे फिल्म की रिलीज से पहले ही इसके गाने को लेकर माहौल बन गया है। फिल्म की कहानी में दोस्ती को केवल मौज-मस्ती तक सीमित नहीं रखा गया है, बल्कि बदलते समय के साथ रिश्तों में आने वाले उतार-चढ़ाव और एक-दूसरे के साथ खड़े रहने की भावना को भी केंद्र में रखा गया है। यही पहलू फिल्म को दर्शकों के लिए भावनात्मक रूप से जोड़ने वाला बन सकता है।

बिग बॉस 20 में काजी तौकीर ने की अरिजीत सिंह की तारीफ, बोले-वो बंदा मेरी जान है

गायक अरिजीत सिंह और काजी तौकीर की दोस्ती 21 साल पुरानी है, जो साल 2005 के रियलिटी शो 'फेम गुरुकुल' के समय से चली आ रही है। 'बिग बॉस -20' में काजी तौकीर ने अरिजीत सिंह के जुनून, उनकी जुझारू भावना और जमीन से जुड़े स्वभाव की जमकर तारीफ की। अरिजीत के बारे में बात करते हुए काजी तौकीर ने कहा, "भाई मैं तुम्हें बता रहा हूं कि वह आदमी मेरी जिंदगी है।" काजी तौकीर ने अरिजीत सिंह के संगीत के प्रति जुनून के बारे में बात करते हुए कहा कि कैसे सिंगर घंटों तक अपनी संगीत की दुनिया में खोए रह सकते हैं। उन्होंने कहा, "वो बंदा मेरी जान है। उसका फाइटिंग स्पिरिट पागलपन वाला है। वो 8 घंटे तक नहीं थकता। सितार लेकर बैठता है। जब शुरू करता है तो समय का कुछ पता ही नहीं चलता। सात घंटा, छह घंटा, लगातार, उसी चीज में खोया रहता है।" काजी तौकीर ने बताया कि अरिजीत सिंह के लिए असली मजा प्रोसेस और संगीत में ही है। उन्होंने कहा, "मुझे कपड़ों का शौक है, उसके लिए मजा है प्रोसेस। उसका संगीत।" अपने पसंदीदा अरिजीत सिंह के गाने के बारे में पूछे जाने पर काजी इमोशनल हो गए। उन्होंने 2013 की फिल्म आशिकी 2 के गाने 'तुम ही हो' को चुना। उन्होंने यह गाना अपने दोस्त को डेडिकेट करते हुए कहा कि उनका उनके साथ बहुत करीबी रिश्ता है और वह उनकी इतनी इज्जत करते हैं कि अल्फाज कम पड़ जाएं। काजी ने कहा, "आई लव यू, अरिजीत भाई। वी लव अरिजीत। अरिजीत भाई, आई लव यू सो मच। पूरा देश उनसे प्यार करता है, भाई। कुछ बोलने की बात ही नहीं है।" काजी और अरिजीत की दोस्ती दो दशक से भी ज्यादा पुरानी है। दोनों 2005 में फेम गुरुकुल में युवा कंटेस्टेंट के तौर पर मिले थे और करियर के अलग-अलग रास्तों पर जाने के बावजूद करीबी दोस्त बने रहे। काजी के बिग बॉस 20 में एंट्री के बाद उनकी दोस्ती को एक और बार सबके सामने समर्थन मिला।

बतौर निर्माता 'डोंट बी शाय' को लेकर नर्वस महसूस कर रहीं आलिया भट्ट

अभिनेत्री आलिया भट्ट इन दिनों अपनी प्रोड्यूस आगामी फिल्म 'डोंट बी शाई' को लेकर सुर्खियों में चल रही हैं। अभिनेत्री ने ट्रेलर लॉन्च इवेंट के दौरान बताया कि वह फिल्म के साथ चार नए एक्टर्स और एक डेब्यूटेंट डायरेक्टर को इंट्रोड्यूस करने को लेकर ज्यादा नर्वस हैं। ट्रेलर लॉन्च के दौरान आलिया से पूछा गया था कि क्या उन्हें कभी लगा कि उन्हें भी इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी, तो इस पर उन्होंने कहा, "नहीं, मुझे कभी ऐसा नहीं लगा कि मुझे इस फिल्म में एक्टिंग करनी चाहिए थी।" उनके साथ कुणाल रॉय कपूर और नेहा धूपिया भी नजर आएंगे। 25 सितंबर 2026 को ओटीटी प्लेटफॉर्म प्राइम वीडियो पर होने जा रहा है।

अमीषा पटेल की मां के घर हुई चोरी, गायब हुए हीरे जड़े सोने के कंगन, नौकरानी गिरफ्तार

बॉलीवुड एक्ट्रेस अमीषा पटेल के माता-पिता के घर में चोरी का मामला सामने आया है। दरअसल, कुछ महीने पहले अभिनेत्री के माता-पिता के घर से हीरे जड़े सोने के कंगन गायब होने की सूचना पुलिस को मिली थी। अब मुंबई की मरीन ड्राइव पुलिस ने इस मामले में बड़ी सफलता हासिल की है। पुलिस ने अभिनेत्री अमीषा पटेल के माता-पिता के चर्चगेट स्थित फ्लैट से 5 लाख रुपये के सोने और हीरे के गहने चोरी करने के आरोप में एक महिला को गिरफ्तार किया है, जिसकी पहचान पालघर निवासी 40 वर्षीय सीमा घाटे के तौर पर हुई है। महिला को गिरफ्तार करने के बाद पुलिस ने कोर्ट में पेश किया, जहां कोर्ट ने महिला को 15 सितंबर तक के लिए पुलिस कस्टडी में भेज दिया है। आरोपी की पहचान पालघर निवासी सीमा घाटे के रूप में हुई है,वह कथित तौर पर करीब डेढ़ साल से अमीषा पटेल की मां आशा पटेल के घर में घरेलू सहायिका के तौर पर काम कर रही थी। पुलिस ने मामले के बारे में जानकारी देते हुए बताया कि सीमा घाटे, अमीषा पटेल के माता-पिता के घर में घरेलू सहायिका के रूप में काम कर रही थी और अभिनेत्री की मां आशा पटेल द्वारा शिकायत दर्ज कराने के बाद पुलिस ने जांच की और घाटे को हिरासत में ले लिया। पुलिस के मुताबिक कंगन कथित तौर पर जनवरी 2026 में घर से चोरी हुआ था।

'हनुमान अंश' को ओटीटी से ऑफर हुई 100 करोड़ की डील? प्रोड्यूसर ने तोड़ी चुप्पी, बोलीं- 'ये सब अफवाहें हैं'

विशाल चतुर्वेदी के निर्देशन में बनी 'हनुमान अंश' इस साल की सबसे बड़ी फिल्मों में से एक बन गई है। 2 करोड़ के बजट में बनी इस फिल्म ने बॉक्स ऑफिस पर 200 करोड़ क्लब में एंट्री कर ली है। बॉक्स ऑफिस पर अब भी ये फिल्म शानदार प्रदर्शन कर रही है। फिल्म को मिल रही तारीफों के चलते अब दर्शक इसकी ओटीटी रिलीज का इंतजार कर रहे हैं। फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी, दर्शक लगातार यही जानना चाह रहे हैं। हालांकि, अब तक ये साफ नहीं हो सका है कि फिल्म किस ओटीटी प्लेटफॉर्म पर रिलीज होगी, लेकिन हाल ही में ये चर्चा जरूर होने लगी थी कि फिल्म को एक डिजिटल प्लेटफॉर्म से 100 करोड़ की डील ऑफर हुई है। इन दावों पर अब फिल्म की निर्माता रागिनी सोना ने प्रतिक्रिया दी है और तमाम दावों को खारिज कर दिया है। रागिनी सोना ने एनडीटीवी के साथ बातचीत में 'हनुमान अंश' की ओटीटी डील पर खुलकर बात की। उन्होंने कहा कि फिल्म की टीम फिलहाल इस पर ध्यान दे रही है कि दर्शक फिल्म देखें। फिलहाल उनका डिजिटल डील पर ध्यान नहीं है। उन्होंने साफतौर पर कहा कि फिल्म की ओटीटी रिलीज को लेकर कोई फैसला नहीं हुआ है और न ही उन्हें कोई ऑफर मिला है। फिल्म की टीम मिलकर डिजिटल रिलीज का फैसला करेगी और सही समय आने पर इसकी आधिकारिक घोषणा करेगी। एनडीटी से बातचीत में रागिनी सोना ने कहा- 'ऐसा कुछ नहीं है। ये सब सिर्फ अफवाहें हैं। कृपया इन सब बातों पर ध्यान न दें। आज फिल्म कितने लोग देख रहे हैं, ये मायने रखता है। हमें किसी ऑफर या किसी ओटीटी प्लेटफॉर्म से मिलने वाली रकम की चिंता नहीं है। हम चाहते हैं कि ज्यादा से ज्यादा लोग सिनेमाघर जाकर ये फिल्म देखें, इसे प्यार दें और पसंद करें। दर्शक खुद फिल्म का प्रचार कर रहे हैं, मैंने पहले ऐसा कभी नहीं देखा, न सुना। ये नीम करौली बाबा का ही चमत्कार है। नंबर आते-जाते रहते हैं। मैं अपनी टीम की तरफ से साफ तौर पर ये कहना चाहती हूं कि हमारे पास ओटीटी रिलीज का कोई ऑफर नहीं है और न ही हम ऐसे किसी ऑफर की तलाश में हैं। जो भी होगा, टीम साथ मिलकर फैसला करेगी और जल्दी ही इसकी जानकारी दे दी जाएगी। मैंने महाराज जी की कहानी सुनाई और भावुक हो गया।

सार समाचार

ब्रिक्स ने दुनिया को नई दिशा दी, ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा: चीनी पत्रकार

नई दिल्ली। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली के भारत मंडपम में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन का आयोजन हो रहा है। इस मौके पर दुनिया से आए पत्रकारों और प्रतिनिधियों ने अपनी राय रखी। चीन के सरकारी अखबार पीपुल्स डेली के सीनियर पत्रकार रेन यान ने चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में शामिल होने के लिए बीजिंग से नई दिल्ली के लिए रवाना हुए हैं। मुझे लगता है कि ब्रिक्स शिखर सम्मेलन ने भारत और चीन के नेताओं को मिलने और भारत-चीन के बीच द्विपक्षीय संबंधों से जुड़े कई मुद्दों पर चर्चा करने के लिए एक अच्छा मंच प्रदान किया है।" क्या ब्रिक्स वैश्विक व्यवस्था को बदलने में बड़ी भूमिका निभा सकता है, इस सवाल पर रेन यान ने कहा, "मुझे लगता है कि 20 साल पहले विश्व व्यवस्था पर पश्चिमी शक्तियों का वर्चस्व था लेकिन ग्लोबल साउथ के एक सामूहिक संगठन के रूप में उभरने के साथ मुझे लगता है कि पिछले 20 साल में ग्लोबल साउथ तेजी से उभरा है और धीरे-धीरे पुरानी विश्व व्यवस्था को बदल दिया है।" उन्होंने कहा, "ब्रिक्स में कई महाद्वीपों के कई देश शामिल हैं। यह विविधता में एकता है, लेकिन मुझे लगता है कि हमारे बीच मतभेदों या विवादों से ज्यादा समानताएं हैं। मुझे लगता है कि यह अच्छा है कि हमारा लक्ष्य 'विकास' ही है, क्योंकि हम विकासशील देश हैं।" थिंक ब्रिक्स की ब्लॉगर अनास्तासिया गोल्याकोवा ने भारत-रूस संबंधों पर कहा, "दिल्ली में हमारी मेजबानी करने के लिए बहुत-बहुत धन्यवाद। मेरे लिए व्यक्तिगत रूप से यह पहली यात्रा है। मॉस्को में हमने भारत द्वारा रूस में आयोजित कई कार्यक्रमों में भाग लिया है।"

राष्ट्रपति मुर्मु ने ईरानी राष्ट्रपति पेजेश्कियन से की मुलाकात, स्थायी शांति के लिए भारत की प्रतिबद्धता दोहराई

नई दिल्ली। राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु ने शनिवार को नई दिल्ली में ईरानी समकक्ष मसूद पेजेश्कियन के साथ बैठक के दौरान संवाद और कूटनीति के माध्यम से स्थायी शांति की दिशा में भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया। राष्ट्रपति सचिवालय ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर बताया, "ईरान के राष्ट्रपति डॉ. मसूद पेजेश्कियन ने राष्ट्रपति भवन में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मु से मुलाकात की। दोनों नेताओं ने ईरान और भारत के बीच लंबे समय से चले आ रहे दोस्ती के बंधन पर चर्चा की, जिसमें हमारे मजबूत सांस्कृतिक और जन-जन के संबंध शामिल हैं। राष्ट्रपति ने संवाद और कूटनीति के माध्यम से स्थायी शांति की खोज के प्रति भारत की प्रतिबद्धता को दोहराया।" पीएम मोदी ने नई दिल्ली में 18वें ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के मौके पर ईरानी राष्ट्रपति के साथ अपनी बैठक के बाद यह टिप्पणी की।

अयोध्या में 80 जर्जर इमारतों को नोटिस, नगर निगम ने शुरू की कार्रवाई

अयोध्या। अयोध्या नगर निगम ने शहर की 80 जर्जर इमारतों को नोटिस जारी किया है। यह फैसला दिल्ली के सत्य निकेतन हादसे में पांच छात्रों समेत सात लोगों की मौत के कुछ दिनों बाद लिया गया। नगर आयुक्त जयेंद्र कुमार ने पत्रकारों से बात करते हुए कहा, "मुख्य अभियंता ने अयोध्या में 80 जर्जर इमारतों की पहचान की है और उन्हें नोटिस जारी किए हैं, जो अब रहने के लिए सुरक्षित नहीं हैं।" उन्होंने कहा, "इनमें से जो इमारतें खाली हैं, उन्हें सील किया जा रहा है, जबकि अन्य इमारतों में रहने वाले लोगों से सुरक्षा कारणों से बाहर निकलने और जहां संभव हो वहां मरम्मत का काम करवाने के लिए कहा जा रहा है।" उन्होंने कहा कि जिन इमारतों की मरम्मत नहीं हो सकती, वहां रहने वाले लोगों से दूसरी जगह जाने के लिए कहा जा रहा है। शहर में ऐसी इमारतों को गिराने के बारे में पूछे गए सवालों का जवाब देते हुए जयेंद्र कुमार ने कहा, "कानून के प्रावधानों के अनुसार आगे की कार्रवाई की जाएगी।" इस बीच, राजधानी के सत्य निकेतन इलाके में 6 सितंबर को इमारत गिरने की घटना के बाद, साउथ कैंपस पुलिस स्टेशन में भारतीय न्याय संहिता (बीएनएस) की धाराओं 105, 290 और 125 (ए) के तहत अज्ञात आरोपियों के खिलाफ एफआईआर दर्ज की गई थी। बाद में जांच के दौरान इमारत के मालिक उर्मिला गुप्ता, हरि राम गुप्ता और महेश गुप्ता उर्फ संजय, ठेकेदार सनोज और पीजी संचालक सुधांशु लोवनीश कुमार को गिरफ्तार किया गया। कोर्ट ने एक दिन पहले ही उनकी अग्रिम जमानत याचिका खारिज कर दी थी।

BRICS डिक्लेरेशन भारत की बड़ी कूटनीतिक जीत, अमेरिकी विश्लेषक कुगेलमैन का बड़ा बयान

वॉशिंगटन। नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स सम्मेलन के पहले दिन साझा घोषणापत्र जारी कर भारत ने विश्व पटल पर एक बार फिर अपनी डिप्लोमैटिक कामयाबी का झंडा बुलंद कर दिया है। अमेरिका के विश्लेषक भी इसे भारत की बड़ी काटूनीतिक कामयाबी बता रहे हैं। अमेरिका के साउथ एशिया एनालिस्ट माइकल कुगेलमैन ने कहा कि ब्रिक्स समिट में जारी न्यू दिल्ली डिक्लेरेशन भारत के लिए एक बड़ी डिप्लोमैटिक सफलता है। उन्होंने कहा इस साल के शुरुआत में ब्रिक्स फॉरेन मिनिस्टर-लेवल की मीटिंग में जॉइंट स्टेटमेंट जारी करने में मुश्किल हुई थी। इसलिए ब्रिक्स सम्मेलन के दौरान साझा घोषणापत्र जारी करने को लेकर संशय था। लेकिन भारत ने ब्रिक्स चेयरमैनशिप के दौरान कई चुनौतियों को पार करते हुए आखिरकार BRICS Declaration जारी कर सफलता प्राप्त की है। कुगेलमैन ने कहा, "यह भारत के लिए एक बड़ी डिप्लोमैटिक कामयाबी है, खासकर अगर हम याद करें कि इस साल की शुरुआत में फॉरेन मिनिस्टर-लेवल के ब्रिक्स समिट में जॉइंट स्टेटमेंट हासिल करना मुमकिन नहीं था। यह सच में एक मुश्किल काम था। इसलिए यह बात कि अब आपके पास एक है, और वह भी इन देशों के टॉप नेताओं के साथ, निश्चित रूप से एक बड़ी कामयाबी है।" उन्होंने कहा कि भारत को ईरान में युद्ध और यूनाइटेड स्टेट्स की पॉलिसी सहित कई चुनौतियों का सामना करना पड़ा। उन्होंने कहा, "मैंने इशारा किया था कि भारत को कई चुनौतियों का सामना करना पड़ेगा। मुख्य चुनौतियां हैं कि ईरान में युद्ध के मुद्दे को कैसे संभाला जाए और US और उसकी नीतियों के मुद्दे को कैसे संभाला जाए।" कुगेलमैन ने कहा कि घोषणा के शुरुआती हिस्से में BRICS के मुख्य सिद्धांतों को काफी हद तक दोहराया गया था और इसलिए यह अनएक्सपेक्टेड नहीं था। घोषणापत्र में कहा गया, 'हम 2030 एजेंडा को नवोन्मेषी, समन्वित, पर्यावरण के अनुकूल, खुले और साझा तरीके से आगे बढ़ाने के महत्व को स्वीकार करते हैं।'

43 देशों के 50 से अधिक प्रतिनिधि पेरिस में बीएपीएस हिंदू मंदिर में, यहां पढ़ें

पेरिस/बुसी-सेंट-जॉर्जेस। यूनेस्को के 43 देशों का प्रतिनिधित्व करने वाले 50 से अधिक राजदूत और प्रतिनिधि गुरुवार को बुसी-सेंट-जॉर्जेस स्थित नवनिर्मित बीएपीएस स्वामिनारायण हिंदू मंदिर में विशेष 'इंडो-फ्रेंच कल्चरल ओपन डे' के लिए एकत्रित हुए। यूनेस्को में भारत के स्थायी प्रतिनिधिमंडल द्वारा आयोजित इस समारोह में यूरोप, अफ्रीका, एशिया, अरब देशों, अमेरिका और कैरेबियन क्षेत्र के राजदूत, स्थायी प्रतिनिधि और अन्य वरिष्ठ राजनयिक प्रतिनिधि तथा यूनेस्को के अधिकारी उपस्थित रहे। मंदिर के निर्माण के आधारभूत मूल्यों – सेवा, सांस्कृतिक समझ और संवाद – का परिचय कराने वाले कार्यक्रम से पहले अतिथियों को पारंपरिक भारतीय भोजन के लिए आमंत्रित किया गया। यूनेस्को में भारत के राजदूत और स्थायी प्रतिनिधि विशाल शर्मा ने सभा को संबोधित करते हुए मंदिर को 'भारत की सभ्यता, विरासत और भारत-फ्रांस के सहयोग से साकार हुई शिल्पकला का अद्भुत संगम' बताया। यूनेस्को के संदर्भ में मंदिर के महत्व पर उन्होंने कहा, "यूनेस्को से जुड़े हम सभी के लिए इस मंदिर का विशेष महत्व है, क्योंकि संस्कृति और विरासत यूनेस्को के हृदय में हैं।" उन्होंने आगे कहा, "यहां भारतीय सांस्कृतिक विरासत भारत से बाहर एक जीवंत परंपरा के रूप में साकार हो रही है।" उन्होंने कहा, "'भारत में निर्मित, फ्रांस में असेंबल्ड' यह मंदिर विश्व द्वारा स्वागत प्राप्त कर रहा है।" एक विशेष फिल्म के माध्यम से मंदिर और उसके निर्माण के पीछे के असाधारण सहयोग की गाथा प्रस्तुत की गई, जिसमें मंदिर निर्माण में सदियों पुरानी भारतीय शिल्पकला और स्थापत्य परंपराओं का फ्रांस की इंजीनियरिंग कुशलता के साथ हुआ अनूठा संगम दर्शाया गया।

अमेरिका-जापान-दक्षिण कोरिया की ड्रिल से भड़का उत्तर कोरिया! किम जोंग ने समुद्र में दाग दीं कई मिसाइलें

सियोल। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान की 5 दिवसीय सैन्य ड्रिल खत्म होते ही उत्तर कोरिया ने समुद्र की ओर कई कम दूरी की बैलिस्टिक मिसाइलें दाग दीं। दक्षिण कोरिया और उसके पड़ोसी देशों ने शनिवार को इसकी जानकारी दी। उत्तर कोरिया इस सैन्य अभ्यास को अपने खिलाफ उकसावे की कार्रवाई मानता है। यह करीब 3 हफ्ते बाद उत्तर कोरिया का पहला बैलिस्टिक मिसाइल लॉन्च है। इससे पहले भी उत्तर कोरिया अमेरिका और दक्षिण कोरिया के सैन्य अभ्यासों का विरोध करते हुए मिसाइल परीक्षण कर चुका है। दक्षिण कोरिया के ज्वाइंट चीफ्स ऑफ स्टाफ (JCS) के मुताबिक, उसने उत्तर कोरिया के पूर्वी तटीय इलाके वॉनसान से कई मिसाइलें दागे जाने का पता लगाया। मिसाइलों ने करीब 250 किलोमीटर की दूरी तय की और उत्तर कोरिया के पूर्वी समुद्री इलाके में जा गिरीं। दक्षिण कोरियाई सेना ने अपनी निगरानी व्यवस्था बढ़ा दी है। साथ ही मिसाइल लॉन्च को लेकर अमेरिका और जापान के साथ लगातार जानकारी साझा की जा रही है। दक्षिण कोरिया की राष्ट्रपति राष्ट्रीय सुरक्षा परिषद ने उत्तर कोरिया से बैलिस्टिक मिसाइलों की फायरिंग रोकने की अपील की है। अमेरिका, दक्षिण कोरिया और जापान ने शुक्रवार को अपना 5 दिवसीय 'फ्रीडम एज' सैन्य अभ्यास तय कार्यक्रम के मुताबिक खत्म किया। अमेरिकी पैसिफिक कमांड के मुताबिक, तीनों देशों की सेनाओं ने हवा, समुद्र और साइबर क्षेत्र में एक साथ अभ्यास किया। इसका मकसद आपसी तालमेल और संयुक्त सैन्य क्षमता को मजबूत करना था। अभ्यास में समुद्री युद्धाभ्यास, हवा में ईंधन भरने की ट्रेनिंग, साइबर समन्वय और मेडिकल ड्रिल जैसी गतिविधियां शामिल थीं। उत्तर कोरिया इसे अपनी सुरक्षा के लिए खतरा और संभावित हमले की तैयारी के तौर पर देखता है। अमेरिकी पैसिफिक कमांड ने कहा कि उत्तर कोरिया की मिसाइल लॉन्चिंग से अमेरिकी क्षेत्र या उसके सहयोगियों के लिए तत्काल कोई खतरा नहीं है। कमांड ने कहा कि अमेरिका अपने देश और क्षेत्र में अपने सहयोगियों की रक्षा के लिए प्रतिबद्ध है। दक्षिण कोरियाई सेना ने पहले ही कहा था कि यह अभ्यास रक्षात्मक है और इसका मकसद उत्तर कोरिया के परमाणु खतरे की स्थिति में तीनों देशों की संयुक्त प्रतिक्रिया क्षमता बढ़ाना है, लेकिन उत्तर कोरिया ये बात नहीं मानता। सोमवार को तीन देशों का सैन्य अभ्यास शुरू होने के कुछ घंटे बाद उत्तर कोरिया के रक्षा मंत्री किम सोंग गी ने इसकी आलोचना की थी।

अमेरिकी मीडिया की नजर में ब्रिक्स शिखर सम्मेलन में बदलता समीकरण

वॉशिंगटन। अमेरिका के प्रमुख अखबारों ने नई दिल्ली में हो रहे ब्रिक्स शिखर सम्मेलन को बदलते वैश्विक हालात की झलक के तौर पर देखा है। ये हालात तनावपूर्ण गठबंधनों, क्षेत्रीय युद्धों और वॉशिंगटन व बीजिंग के बीच बढ़ती प्रतिस्पर्धा से तय हो रहे हैं। 'द न्यूयॉर्क टाइम्स' ने एक खबर में कहा कि इस शिखर सम्मेलन में सबसे अहम सवाल यह है कि क्या प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी या चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग में से कौन विकासशील दुनिया की अधिक प्रभावशाली आवाज बनकर उभरेगा। चीन ब्रिक्स को अमेरिकी ताकत को चुनौती देने के एक प्लेटफॉर्म के तौर पर देखता है। वहीं, भारत चाहता है कि यह ग्रुप इतना बड़ा और खुला रहे कि देशों को अलग-अलग गुटों में से किसी एक को चुनने के लिए मजबूर न होना पड़े। अखबार ने कहा कि युद्ध, ऊर्जा की बढ़ती कीमतें, अमेरिकी टैरिफ और आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस को लेकर चिंताएं देशों को वॉशिंगटन और बीजिंग के साथ अपने रिश्तों पर फिर से सोचने के लिए मजबूर कर रही हैं। वॉशिंगटन में स्टिमसन सेंटर के चीन प्रोग्राम की डायरेक्टर युन सन ने 'टाइम्स' को बताया, "भारत को लेकर चीन की मुख्य चिंता हमेशा से भारत का अमेरिका के साथ झुकाव रही है। इसलिए बीजिंग निश्चित रूप से दिल्ली के साथ अपने रिश्तों को बेहतर बनाने का मौका नहीं गंवाना चाहेगा।" चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग का यह दौरा सात साल में भारत का उनका पहला दौरा है। यह दौरा 2020 में सीमा पर हुई जानलेवा झड़प के बाद रिश्तों में आई लंबी खटास और 2024 में शुरू हुई सावधानी भरी कूटनीतिक सुधार की प्रक्रिया के बाद हो रहा है। शी 24 सितंबर को व्हाइट हाउस में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप से मिलने वाले हैं। यह मुलाकात नई दिल्ली समिट को और भी अहम बनाती है, क्योंकि चीनी नेता अमेरिकी राष्ट्रपति के साथ बेहद अहम बातचीत की तैयारी कर रहे हैं। पीएम मोदी ने शिखर सम्मेलन से पहले पुतिन और पेजेश्कियन के साथ अलग-अलग बातचीत की।

लद्दाख के संरक्षित वन्यजीव क्षेत्रों में अधिकारों और दावों के निपटारे की प्रक्रिया दो महीने में पूरी होगी

लेह। लद्दाख के उपराज्यपाल विनय कुमार सक्सेना ने संरक्षित हेमिस, चांगथांग और काराकोरम वन्यजीव क्षेत्रों में स्थानीय समुदायों के अधिकारों और दावों के निपटारे की प्रक्रिया को दो महीने के भीतर पूरा करने के निर्देश दिए हैं। उपराज्यपाल ने यह फैसला शुक्रवार को हुई 16वीं स्टेट बोर्ड फॉर वाइल्डलाइफ की बैठक के दौरान लिया। उन्होंने कहा कि इस कदम का उद्देश्य स्थानीय समुदायों के लंबे समय से चले आ रहे पारंपरिक अधिकारों और बस्तियों को लेकर स्पष्टता सुनिश्चित करना है। सक्सेना ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट में कहा कि वन्यजीव क्षेत्रों की सीमाओं के अंतिम निर्धारण को लेकर पिछली उप-समिति की रिपोर्ट को अलग रखा गया है। उन्होंने कहा कि यह रिपोर्ट केवल कागजी या 'टेबल-टॉप एक्सरसाइज' पर आधारित थी और इसमें वन्यजीव (संरक्षण) अधिनियम के तहत अनिवार्य प्रावधानों का पालन नहीं किया गया। उन्होंने कहा कि पिछली प्रक्रिया में महत्वपूर्ण रक्षा और राष्ट्रीय सुरक्षा से जुड़े पहलुओं के साथ-साथ इन क्षेत्रों में पीढ़ियों से रह रहे स्थानीय समुदायों की वास्तविक चिंताओं और अधिकारों को भी पर्याप्त महत्व नहीं दिया गया। एलजी ने कहा कि आगे की प्रक्रिया कानून के अनुरूप और स्थानीय लोगों की भागीदारी के साथ पूरी की जानी चाहिए। इसके तहत सभी जिलाधिकारियों (डीसी) और सेटलमेंट अधिकारियों को स्थानीय लोगों से आपत्तियां और सुझाव प्राप्त करने के लिए तत्काल जनसुनवाई फिर से शुरू करने का निर्देश दिया गया है।

हिन्दुस्तान जिंक द्वारा होने वाले खेल मैदान की चारदीवारी व विकास कार्य का भूमि पूजन

उदयपुर। गुड़ली ग्राम पंचायत के ओडवाडिया गांव स्थित विद्यालय में शनिवार को खेल मैदान की चारदीवारी एवं मैदान विकास कार्य का भूमि पूजन हुआ। हिंदुस्तान जिंक के ग्रामीण विकास कार्यक्रम के तहत ज़िंक स्मेल्टर देबारी द्वारा होने वाले इस कार्य से विद्यालय के खेल मैदान को नई पहचान मिलने के साथ विद्यार्थियों को सुरक्षित और बेहतर खेल सुविधाएं उपलब्ध होंगी। भूमि पूजन हिंदुस्तान जिंक देबारी के एसबीयू डायरेक्टर विवेक यादव ने किया। कार्यक्रम में जिला शिक्षा अधिकारी दीपक गौड़, अतिरिक्त जिला शिक्षा अधिकारी मोहनलाल मेघवाल, हिंदुस्तान जिंक देबारी के मुख्य सुरक्षा अधिकारी आदित्य नारायण ठाकुर, सीएसआर हेड रुचिका चावला, सीएसआर अधिकारी अर्पणा व्यास, विद्यालय के उपप्रधानाचार्य राजेंद्र सिंह झाला, प्रकाश गमेती, जगदीश डांगी, प्रकाश गायरी, दिनेश डांगी सहित बड़ी संख्या में ग्रामीण व विद्यार्थी मौजूद रहे। इस अवसर पर विवेक यादव ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि पढ़ाई के साथ खेल भी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। खेल विद्यार्थियों में टीम भावना पैदा करता है और एक-दूसरे के साथ मिलकर आगे बढ़ने की सीख देता है। उन्होंने कहा कि जीवन में आगे बढ़ने के लिए अनुशासन बेहद जरूरी है। अनुशासन के बिना सफलता की राह आसान नहीं हो सकती। उन्होंने विद्यार्थियों से मोबाइल से दूरी बनाने का आह्वान करते हुए कहा कि आज मोबाइल जीवन का हिस्सा बन गया है, लेकिन बच्चों को इसका सीमित और सही उपयोग करना चाहिए। मैदान में पसीना बहाने से शरीर के साथ मन भी मजबूत होता है। जिला शिक्षा अधिकारी दीपक गौड़ ने विद्यार्थियों को संबोधित करते हुए कहा कि मोबाइल आज नासूर बनता जा रहा है।

हिमाचल प्रदेश में नशा तस्करों की कमाई अब जनता की होगी: मुख्यमंत्री

शिमला। मुख्यमंत्री ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने कहा कि नशे के कारोबार से करोड़ों रुपये की अवैध संपत्ति अर्जित करने वालों को अब अपनी आय का हिसाब देना होगा। उन्होंने कहा कि नशा बेचकर आलीशान कोठियां, होटल और दुकानें बनाई गई हैं। जमीन और महंगी गाड़ियां खरीदी गईं। उन्होंने कहा कि यह पैसा और सम्पत्ति गरीबों और उन परिवारों की है जिनके बच्चे नशे के जाल में फंसाए गए हैं। ठाकुर सुखविन्द्र सिंह सुक्खू ने नशा तस्करों के खिलाफ प्रभावी कार्रवाई और लगभग 3.27 करोड़ रुपये की संपत्ति जब्त करने के लिए नूरपुर पुलिस को बधाई दी। उन्होंने कहा कि प्रदेश सरकार द्वारा नशे के कारोबार के खिलाफ निर्णायक जंग जारी है और नशा तस्करी से अर्जित अवैध संपत्तियों को जब्त किया जाएगा। उन्होंने कहा कि नशा तस्करों की कमाई का हर रुपया अब जनता का होगा। उन्होंने कहा कि नशे की कमाई से बनाई गई संपत्ति वास्तव में उन परिवारों की कीमत पर अर्जित होती है, जिनके बच्चे इस गंभीर सामाजिक बुराई का शिकार हो जाते हैं। नूरपुर में जब्त की गई संपत्तियों में आलीशान कोठी, भूमि, होटल, दुकानें, वाहन और बैंक खाते शामिल हैं। उन्होंने कहा कि यह कार्रवाई नशा माफिया के लिए स्पष्ट संदेश है कि प्रदेश में उनके लिए कोई स्थान नहीं है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार की कार्रवाई केवल नशा तस्करों की गिरफ्तारी तक सीमित नहीं है। सरकार का लक्ष्य नशे के पूरे नेटवर्क, उसकी आर्थिक व्यवस्था और उससे अर्जित अवैध संपत्ति को पूरी तरह ध्वस्त करना है।

खेल समाचार

एशियन गेम्स के नॉकआउट मैचों का बदला टाइम, अब 30 मिनट पहले शुरू होंगे मुकाबले

एशियन गेम्स 2026 में पुरुषों की टीम के नॉकआउट मैचों का समय बदल गया है। अब ये मैच अपने पुराने समय से आधा घंटा पहले शुरू होंगे। नए टाइम-टेबल के हिसाब से जो मैच जापान में दोपहर 2:00 बजे होने थे, वे अब दोपहर 1:30 बजे से खेले जाएंगे। अच्छी बात यह है कि वुमेंस क्रिकेट टीम के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है, वे अपने पुराने समय पर ही होंगे। एशियन गेम्स में टीम इंडिया अपना पहला मैच 28 सितंबर को खेलेगी। एशियन गेम्स में भारतीय टीम को सीधे नॉकआउट दौर में जगह मिली है। जापान का समय भारत से 3 घंटे 30 मिनट आगे है, इसलिए वहां दोपहर 1:30 बजे शुरू होने वाले पहले मैच को फैंस भारत में सुबह 10:00 बजे से देख पाएंगे। वहीं, सुबह के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। वे जापान के समय के अनुसार सुबह 9:00 बजे यानी भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे ही शुरू होंगे। यह बदलाव क्वार्टर फाइनल, सेमीफाइनल और फाइनल सभी मैचों पर लागू होगा, जो जापान के समय के अनुसार दोपहर 1:30 बजे शुरू होंगे। हालांकि, इस नए समय की जानकारी अभी तक सभी अधिकारियों को नहीं मिली है। भारतीय ओलंपिक संघ (IOA) का कहना है कि उन्हें इसकी खबर नहीं दी गई थी, लेकिन आधिकारिक वेबसाइट पर नया समय अपडेट कर दिया गया है। एशियन गेम्स के क्रिकेट मैचों के समय में यह बदलाव 28 सितंबर के दूसरे क्वार्टर फाइनल, 1 अक्टूबर के दूसरे सेमीफाइनल और 3 अक्टूबर के फाइनल (गोल्ड मेडल) मैच पर लागू होगा। दूसरी तरफ, पाकिस्तान के खिलाफ पहला क्वार्टर फाइनल, पहला सेमीफाइनल और ब्रॉन्ज मेडल का मैच अपने तय समय पर ही यानी जापान के समय के अनुसार सुबह 9 बजे से खेला जाएगा। बता दें कि पहले राउंड के मैचों के समय में कोई बदलाव नहीं हुआ है। सूत्रों की माने तो टाइमिंग में बदलाव इसलिए किया गया है क्योंकि जापान में सूरज जल्दी ढल जाता है और जिस मैदान पर ये मैच होने हैं, वहां नाइट मैच के लिए फ्लड लाइट्स का इंतजाम नहीं है। इसी वजह से मैचों को आधा घंटा पहले शुरू करने का फैसला लिया गया है ताकि खेल दिन के उजाले में पूरा हो सके। 20वें एशियन गेम्स 19 सितंबर से 4 अक्टूबर के बीच खेले जाएंगे। टाइमिंग में बदलाव का सीधा असर भारतीय दर्शकों पर भी पड़ेगा। दोपहर 1:30 बजे जापान में होने वाले मुकाबले भारत में सुबह 10 बजे से देखे जा सकेंगे। वहीं सुबह 9 बजे शुरू होने वाले मैच भारतीय समयानुसार सुबह 5:30 बजे ही शुरू होंगे। इससे क्रिकेट प्रशंसकों को नॉकआउट मुकाबलों के लिए अपने समय में बदलाव करना पड़ सकता है। भारतीय पुरुष टीम के लिए 28 सितंबर का क्वार्टर फाइनल महत्वपूर्ण होगा। टीम को सीधे नॉकआउट चरण में प्रवेश मिलने के कारण शुरुआती मुकाबलों की जगह वह सीधे निर्णायक दौर में उतरेगी। ऐसे में एक हार के साथ पदक की दौड़ से बाहर होने का खतरा रहेगा और टीम पर शुरुआत से ही दबाव होगा। महिला क्रिकेट के मुकाबलों के समय में कोई बदलाव नहीं किया गया है। वहीं पहले राउंड के मैच भी निर्धारित समय के अनुसार ही खेले जाएंगे। इस तरह टाइमिंग में बदलाव मुख्य रूप से पुरुष वर्ग के चुनिंदा नॉकआउट मुकाबलों तक सीमित रहेगा।

ऑस्ट्रेलिया सीरीज से पहले साउथ अफ्रीका को झटका, ओटनील बार्टमैन की चोट ने बढ़ाई टेंशन

साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाज ओटनील बार्टमैन की चोट ने टीम मैनेजमेंट की चिंता बढ़ा दी है। बार्टमैन को इसी महीने के अंत में ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ होने वाली ODI सीरीज के लिए साउथ अफ्रीका की टीम में जगह मिली है, लेकिन घरेलू चार दिवसीय मुकाबले के दौरान वह चोटिल हो गए। बार्टमैन डॉल्फिन्स की ओर से टाइटंस के खिलाफ मुकाबले में उतरे थे। हालांकि, वह केवल पांच ओवर ही गेंदबाजी कर सके। डॉल्फिन्स को पारी और 60 रन से हार का सामना करना पड़ा, लेकिन बार्टमैन दूसरी पारी में बल्लेबाजी करने भी नहीं आए। मैदान से उनकी चोट को लेकर तत्काल कोई जानकारी सामने नहीं आई। क्रिकइंफो के मुताबिक, उनकी स्थिति पर अपडेट रविवार सुबह जारी किया जाएगा। बार्टमैन चोट से जूझने वाले साउथ अफ्रीका के दूसरे तेज गेंदबाज हैं। इससे पहले कगिसो रबाडा हैमस्ट्रिंग की समस्या के कारण ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ ODI सीरीज से बाहर हो चुके हैं। क्रिकेट साउथ अफ्रीका ने रबाडा की वापसी के लिए अभी कोई अनुमानित समय नहीं बताया है। 9 अक्टूबर से शुरू होने वाली तीन मैचों की टेस्ट सीरीज में उनकी उपलब्धता पर फैसला बाद में लिया जाएगा। साउथ अफ्रीका के तेज गेंदबाजी अटैक में लुंगी एंगिडी की फिटनेस पर भी नजर रहेगी। एंगिडी ने टाइटंस की ओर से डॉल्फिन्स के खिलाफ मैच में कुल 16.3 ओवर गेंदबाजी की। पहली पारी में उन्होंने आठ और दूसरी पारी में 8.3 ओवर किए। हालांकि, दूसरी पारी के दौरान वह कुछ समय के लिए मैदान से बाहर गए थे। वापसी के बाद उन्होंने दोबारा गेंदबाजी नहीं की। वहीं, मार्को यानसन को लेकर साउथ अफ्रीका के लिए राहत की खबर है। उन्होंने टाइटंस के लिए मुकाबले में 7 विकेट हासिल किए और कुल 28 ओवर गेंदबाजी की। इससे उनका गेंदबाजी वर्कलोड बढ़ाने का प्रयास सफल रहा। बल्लेबाजी में रयान रिकेल्टन ने बोलैंड के खिलाफ लायंस के लिए खेलते हुए अपना 19वां फर्स्ट क्लास शतक पूरा किया। टेस्ट कप्तान टेम्बा बावुमा ने पहली पारी में 91 रन बनाए, लेकिन दूसरी पारी में सिर्फ 9 रन ही बना सके। डेन पैटरसन अब तक मैच में तीन विकेट ले चुके हैं।

ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप: भारतीय टीम के संभावित 24 खिलाड़ियों की घोषणा

क्रिकेट एसोसिएशन फॉर द ब्लाइंड इन इंडिया (सीएबीआई) ने शनिवार को ढाका में होने वाले 2026 एशिया कप के लिए इंडिया की 24 खिलाड़ियों की संभावित टीम का ऐलान किया। भारतीय टीम लगातार दूसरा खिताब जीतने की कोशिश में है। मेन्स एशिया कप 2026 फॉर द ब्लाइंड टूर्नामेंट का दूसरा संस्करण है। लॉजिस्टिक दिक्कतों की वजह से दस साल के अंतराल के बाद यह टूर्नामेंट हो रहा है। भारत की संभावित 24 खिलाड़ियों की टीम एक राष्ट्रीय कोचिंग और चयन कैंप के बाद आखिरी 17 सदस्यों की टीम में घोषित होगी। क्रिकेट ट्रेनिंग, फिटनेस और कंडीशनिंग सेशन, रणनीतिक तैयारी और अभ्यास मैच शामिल होंगे। इस बीच, चयन समिति और कोचिंग स्टाफ फाइनल टीम घोषित करने से पहले प्रदर्शन, फिटनेस, स्किल्स और टीम संतुलन जैसे अलग-अलग पहलुओं पर 24 खिलाड़ियों का विश्लेषण करेंगे। इंडिया ने 2016 में केरल के कोच्चि में फाइनल में पाकिस्तान को हराकर पहला एशिया कप जीता था। टूर्नामेंट की वापसी पर सीएबीआई के चेयरमैन डॉ. महंतेश जी. किवादासन्नावर ने कहा, "यह एक 'खास पल' है। दस साल बाद मेन्स ब्लाइंड क्रिकेट एशिया कप की वापसी पूरी ब्लाइंड क्रिकेट बिरादरी के लिए एक खास पल है।

अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के फाइनल में बनाई जगह, खिताबी मैच में होगा बेन शेल्टन से सामना

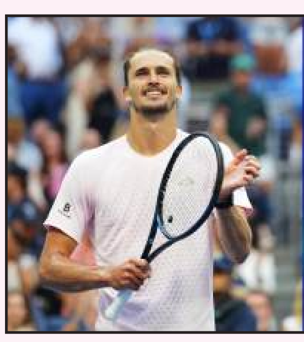

यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स इवेंट के फाइनल मुकाबले में पहुंचने वाले दोनों खिलाड़ियों का फैसला हो गया है, जिसमें 14 सितंबर की सुबह अलेक्जेंडर ज्वेरेव का अमेरिकी खिलाड़ी बेन शेल्टन से खिताबी मैच में आमना-सामना होगा। अलेक्जेंडर ज्वेरेव अपने टेनिस करियर में दूसरी बार यूएस ओपन के फाइनल में पहुंचने में कामयाब हो पाए हैं तो वहीं इससे पहले पिछली बार उनको हार का सामना करना पड़ा था। अलेक्जेंडर ज्वेरेव का सेमीफाइनल में सामना रूस के करेन खाचानोव से हुआ था, जिसको वह तीन सेटों तक चले मुकाबले को 3-0 से जीतने में कामयाब रहे। वहीं बेन शेल्टन को लेकर बात की जाए तो उन्होंने सेमीफाइनल मुकाबले में हमवतन खिलाड़ी टियाफो को मात दी। अलेक्जेंडर ज्वेरेव ने यूएस ओपन 2026 के पुरुष सिंगल्स सेमीफाइनल मैच में अपने दबदबे का पूरा तरह से एहसास कराया जिसमें उन्होंने रूस के करेन खाचानोव को पहले सेट में एकतरफा 6-3 के अंतर से मात दी तो वहीं इसके बाद दूसरे सेट में दोनों खिलाड़ियों के बीच जबरदस्त मुकाबला देखने को मिला जिसमें टाई ब्रेकर में जाने के बाद ज्वेरेव ने 7-6 के अंतर से अपने नाम करने के साथ मुकाबले में 2-0 की बढ़त बना ली। तीसरे सेट में भी ज्वेरेव और खाचानोव के बीच काफी रोमांचक मुकाबला देखने को मिला और टाई ब्रेकर में जाने के बाद ज्वेरेव इसे 7-6 के अंतर से जीतने में कामयाब रहे।

मोहम्मद सिराज बने कप्तान, रणजी ट्रॉफी से पहले हैदराबाद ने सौंपी बड़ी जिम्मेदारी

भारतीय क्रिकेट टीम के तेज गेंदबाज मोहम्मद सिराज को एक नई और बड़ी जिम्मेदारी मिली है। उन्हें रणजी ट्रॉफी 2026-27 के लिए हैदराबाद टीम का नया कप्तान बनाया गया है। हैदराबाद क्रिकेट एसोसिएशन (HCA) ने इस फैसले की जानकारी दी है। सिराज टीम की कप्तानी करेंगे, जबकि तेज गेंदबाज चामा मिलिंद को उप-कप्तान चुना गया है। बता दें कि मोहम्मद सिराज हाल ही में दलीप ट्रॉफी फाइनल में खेलते हुए नजर आए थे और वहां उनका प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा था। रणजी ट्रॉफी का नया सीजन 11 अक्टूबर से शुरू हो रहा है, जिसमें हैदराबाद का पहला मैच त्रिपुरा के खिलाफ होगा। हैदराबाद टीम को एलीट ग्रुप बी में रखा गया है, जिसमें सौराष्ट्र, कर्नाटक, पंजाब, आंध्र प्रदेश, छत्तीसगढ़, असम और त्रिपुरा जैसी टीमें शामिल हैं। इस टूर्नामेंट में मोहम्मद सिराज के लिए कप्तानी संभालने के साथ-साथ अपनी बेहतरीन गेंदबाजी बनाए रखना भी एक बड़ी चुनौती होगी। बता दें कि रेड बॉल क्रिकेट में सिराज का हालिया प्रदर्शन उतना अच्छा नहीं रहा है। मोहम्मद सिराज हाल ही में श्रीलंका दौरे पर भारतीय टीम के लिए खेले थे, जहां उनकी गेंदबाजी की रफ्तार में गिरावट देखने को मिली थी। सिराज आमतौर पर 140 किमी/घंटा की स्पीड से बॉलिंग करते हैं, लेकिन इस दौरे पर कई बार उनकी रफ्तार 130 किमी/घंटा से भी कम रही। उन्होंने दो टेस्ट मैचों में कुल 44 ओवर गेंदबाजी की और 4 विकेट हासिल किए। दलीप ट्रॉफी फाइनल मैच के बाद सिराज ने बताया था कि श्रीलंका दौरे पर उनके स्पीड में क्यों कमी आई थी। उन्होंने कहा कि वह ऐसे गेंदबाज हैं जिनके लिए रनअप और लय बेहद अहम हैं। रनअप खराब होने से उनकी गति पर भी असर पड़ा। हालांकि, उनकी कप्तानी में टीम दोनों मैचों में से एक भी जीत नहीं सकी।

नेपाल ने एशिया कप 2027 के लिए किया क्वालीफाई, यूएई को हराकर बना ACC प्रीमियर कप चैंपियन

नेपाल ने एसीसी मेंस प्रीमियर कप 2026 के फाइनल में यूएई (UAE) को 44 रनों से मात देकर शानदार जीत दर्ज की। मलेशिया के बायुमास ओवल मैदान पर खेले गए इस मैच में नेपाल के ओपनर आसिफ शेख ने बेहतरीन शतक जड़ा। इस जीत के साथ कप्तान संदीप लामिछाने की टीम नेपाल ने बांग्लादेश में होने वाले एशिया कप 2027 के लिए अपनी जगह पक्की कर ली है। एशिया कप 2027 बांग्लादेश की मेजबानी में खेला जाएगा। ACC प्रीमियर कप एशिया कप के लिए क्वालिफाइंग टूर्नामेंट होता है। नेपाल इस बार ACC प्रीमियर कप का खिताब जीतकर टूर्नामेंट के लिए क्वालीफाई करने वाली छठी और आखिरी टीम बन गई है। अब टूर्नामेंट की सभी 6 टीमें तय हो गई हैं। वनडे फॉर्मेट में होने के कारण इस बार सिर्फ 6 टीमें ही खेलेंगी जिसमें भारत, पाकिस्तान, श्रीलंका, अफगानिस्तान और मेजबान बांग्लादेश को सीधे जगह मिली है, जबकि नेपाल छठी टीम के रूप में शामिल हुआ है। प्रीमियर कप फाइनल की बात करें तो नेपाल ने पहले बल्लेबाजी करते हुए 50 ओवर में 313 रनों का बड़ा स्कोर खड़ा किया। नेपाल की ओर से ओपनर आसिफ शेख ने 102 रन की तूफानी शतकीय पारी खेली, वहीं गुलशन झा ने भी सिर्फ 38 गेंदों में 52 रन कूटकर यूएई के गेंदबाजों की जमकर धुनाई की। इसके बाद 314 रन का पीछा करने उतरी यूएई की पूरी टीम 49.1 ओवर में 269 रन पर ही ढेर हो गई। यूएई की तरफ से राहुल चोपड़ा ने भी शतक लगाया। वह 100 रन बनाकर आउट हुए लेकिन अपनी टीम को जीत नहीं दिला सके। उनके अलावा सोहैब खान ने 52 रन की पारी खेली। नेपाल की क्रिकेट टीम दूसरी बार एशिया कप खेलने जा रही है। इससे पहले 2023 में टीम ने अपना पहला एशिया कप खेला था, जहां भारत और पाकिस्तान के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा था, दो मैच हारकर उनकी टीम बाहर हो गई थी।

हॉकी इंडिया में बड़ा बवाल, जर्सी विवाद पर एक्शन में अध्यक्ष दिलीप टिर्की

हॉकी इंडिया ने अपने महानिदेशक (DG) कमांडर आर के श्रीवास्तव को कारण बताओ नोटिस जारी कर उनके सभी अधिकार तुरंत प्रभाव से वापस ले लिए हैं। हॉकी इंडिया के अध्यक्ष दिलीप टिर्की की तरफ से भेजे गए इस नोटिस में श्रीवास्तव पर कुल आठ गंभीर आरोप लगाए गए हैं। उन्हें अपनी सफाई देने के लिए चार सप्ताह का समय दिया गया है। जवाब न मिलने पर उपलब्ध रिकॉर्ड के आधार पर आगे की कानूनी और अनुशासनात्मक कार्रवाई की जाएगी। न्यूज एजेंसी PTI के मुताबिक श्रीवास्तव पर लगे प्रमुख आरोपों में भारतीय हॉकी टीम की जर्सी का रंग बदलना शामिल है। पारंपरिक नीली जर्सी की जगह नारंगी जर्सी लागू करने से पहले अध्यक्ष या कार्यकारी समिति से कोई सलाह नहीं ली गई थी। बार-बार मांगने पर भी इस फैसले से जुड़े कोई आधिकारिक दस्तावेज या मंजूरी पेश नहीं की गई। जर्सी के रंग में इस बदलाव के बाद हॉकी जगत में काफी विरोध और विवाद देखने को मिला था। बता दें कि हॉकी इंडिया ने अपनी पुरानी और पारंपरिक नीली जर्सी को बदलकर नारंगी (ऑरेंज) रंग की जर्सी अपनाई थी। भारतीय टीम ने नीदरलैंड और बेल्जियम में हुए FIH वर्ल्ड कप के दौरान इसी नारंगी रंग की किट पहनकर मैच खेले थे।

यूएस ओपन: सेमीफाइनल में रेवती-सुशकोवा की जोड़ी को मिली हार, क्रिस्टीना और अन्निका ने बनाई फाइनल में जगह

भारत की माया राजेश्वरन रेवती और यूक्रेन की एंटोनिन्या सुशकोवा शनिवार को कोर्ट 12 पर यूएस ओपन गर्ल्स डबल्स के सेमीफाइनल मुकाबले में अमेरिकी जोड़ी क्रिस्टीना पेनिकोवा और अन्निका पेनिकोवा से हार गईं। रेवती और सुशकोवा ने क्वार्टर फाइनल में रूस की चौथी वरीयता प्राप्त जोड़ी फेलिसाता डोरोफीवा-रिबास और अन्ना पुस्करोवा को हराया था। सेमीफाइनल में उन्हें पेनिकोवा बहनों के खिलाफ 6-7 (3), 2-6 से हार का सामना करना पड़ा। इस तरह 1 घंटे 6 मिनट तक चले मुकाबले में उनका यूएस ओपन में शानदार सफर खत्म हो गया। भारत-यूक्रेनी जोड़ी ने मुकाबले में अच्छी टक्कर दी। उन्होंने पहले सेट में अमेरिकी जोड़ी की सर्विस दो बार तोड़ी। हालांकि, अमेरिकी खिलाड़ियों ने अपनी पहली सर्विस पर 74% अंक जीते, जबकि रेवती और सुशकोवा 60 प्रतिशत अंक ही जीत सकीं। दूसरी सर्विस पर रेवती और सुशकोवा का प्रदर्शन बेहतर रहा। उन्होंने दूसरी सर्विस पर 48 प्रतिशत अंक अपने नाम किए, जबकि अमेरिकी जोड़ी सिर्फ 31 प्रतिशत अंक ही जीत पाई। उन्होंने कड़े शुरुआती सेट में कम गलतियां भी कीं। सेट टाई-ब्रेकर तक गया, जहां पेनिकोवा बहनों ने रेवती और सुशकोवा को हरा दिया। अमेरिकी जोड़ी ने दूसरे सेट में अपना सर्वश्रेष्ठ खेल दिखाया, जबकि रेवती और सुशकोवा की जोड़ी संघर्ष करती दिखी और दो बार अपनी सर्विस गंवा बैठी। पेनिकोवा बहनों ने पहली सर्विस पर 85 प्रतिशत और दूसरी सर्विस पर 63 प्रतिशत अंक जीते, जबकि रेवती और सुशकोवा ने अपनी दोनों सर्विस पर क्रमशः 67 प्रतिशत और 40 प्रतिशत अंक ही जीते। इससे पहले, रेवती और सुशकोवा ने राउंड ऑफ 16 में चेक गणराज्य की पांचवीं वरीयता प्राप्त जोड़ी कैटरीना जजिकोवा और जाना कोवाकोवा को भी हराया था, लेकिन सेमीफाइनल में उनका शानदार सफर खत्म हो गया। रेवती ने जूनियर सिंगल्स में भी अच्छा प्रदर्शन किया और दूसरे दौर में जगह बनाई थी। उन्हें टूर्नामेंट में 15वीं सीड मिली थी। पहले दौर में उन्होंने अमेरिका की एमरी कॉम्ब्स को हराया, लेकिन राउंड ऑफ 32 में एरिना मैलिगिना के खिलाफ उन्हें हार का सामना करना पड़ा। वहीं, डबल्स में रेवती ने अमेरिका की थिया फ्रोडिन के साथ शानदार खेल दिखाया और विंबलडन जूनियर्स के क्वार्टर फाइनल तक पहुंचने में सफलता हासिल की।

जसप्रीत बुमराह के पास बड़ा मौका, 1 विकेट लेते ही चहल-भुवी के 350 वाले क्लब में मारेंगे एंट्री

भारत और अफगानिस्तान के बीच तीन मैचों की टी20 सीरीज की शुरुआत 13 सितंबर से होने वाली है। इस सीरीज के पहले मैच में टीम इंडिया के तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह के पास एक नई उपलब्धि हासिल करने का मौका होगा। इस मैच में एक विकेट लेते ही बुमराह टी20 फॉर्मेट में 350 विकेट हासिल कर लेंगे। इससे पहले भारत के सिर्फ दो गेंदबाज ही इस उपलब्धि को हासिल कर पाए हैं। बुमराह लंबे समय के बाद एक्शन में नजर आएंगे। पहले टी20 मैच से पहले बुमराह ने नेट्स में जबरदस्त बॉलिंग की और वहां उन्होंने वैभव सूर्यवंशी को काफी परेशान किया। भारत के लिए टी20 क्रिकेट में सबसे ज्यादा विकेट लेने का रिकॉर्ड स्टार स्पिनर युजवेंद्र चहल के नाम है। उन्होंने अपने करियर में अभी तक 343 मैचों में 396 विकेट हासिल किए हैं। उनके बाद इस लिस्ट में दूसरे नंबर पर भुवनेश्वर कुमार का नाम है। भारतीय तेज गेंदबाज जसप्रीत बुमराह T20 इंटरनेशनल में देश के लिए दूसरे सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। उन्होंने 95 मैचों में कुल 121 विकेट हासिल किए हैं। इस सूची में उनसे आगे केवल अर्शदीप सिंह हैं, जिनके नाम 91 मैचों में 135 विकेट दर्ज हैं।

बच्चों को कब और कैसे खिलाएं ड्राई फ्रूट्स, बाल रोग विशेषज्ञ ने बताया सही समय

ड्राई फ्रूट्स का सेवन सेहत के लिए बेहद फायदेमंद माना जाता है। यही वजह है कि डॉक्टर्स हर उम्र के लोगों को इसका सेवन करने की सलाह देते हैं। हेल्थ एक्सपर्ट्स पेरेंट्स को अक्सर ये सलाह देते हैं कि बच्चों को ड्राई फ्रूट्स का सेवन करना चाहिए। लेकिन ज्यादा पेरेंट्स इस बात को लेकर कंफ्यूज रहते हैं कि छोटे बच्चों को कब और कैसे ड्राई फ्रूट्स देना चाहिए। अगर आपके मन में भी ये सवाल है तो ये आर्टिकल आपके लिए है। बाल रोग विशेषज्ञ डॉ संदीप गुप्ता ने अपने यूट्यूब चैनल पर एक वीडियो शेयर कर बताया है कि छोटे बच्चों को कब और कैसे ड्राइ फ्रूट्स देना चाहिए। तो चलिए जानते हैं। काजू, पिस्ता, बादाम जैसे ड्राई फ्रूट्स प्रोटीन, विटामिन्स, मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट का बेहतरीन सोर्स माने जाते हैं। ये बच्चों की ओवरऑल ग्रोथ में मदद करता है। इसलिए इसे बच्चों को जरूर देना चाहिए। नट्स हेल्दी फैट्स का भी गुड सोर्स माने जाते हैं जो बच्चों का वजन बढ़ाने में भी मददगार साबित होते हैं। हेल्दी एक्सपर्ट्स जब बच्चा 6 महीने का हो जाता है यानी 180 दिन पूरे होने के बाद बच्चे को नट्स दिया जा सकता है। लेकिन डॉ संदीप गुप्ता का मानना है कि बच्चों 7-8 महीने के बाद नट्स देना चाहिए। वहीं उन्होंने ये भी कहा कि सभी नट्स को एक साथ शुरू नहीं करना चाहिए। अगर आप बच्चे को बादाम देना चाहते हैं तो सबसे पहले इसका पाउडर बना लें और फिर बच्चे को दें। इसके साथ ही ये चेक करें कि इसकी वजह से बच्चे को कोई एलर्जी या रैशेज तो नहीं है। अगर बच्चे को एलर्जी या रैशेज जैसी समस्याएं नहीं होती है तो उसे आप कुछ दिनों बाद दूसरा नट्स भी दे सकते हैं। इस बात का भी खास ध्यान रखें कि अगर बच्चा 5 साल से कम उम्र का है तो उसे नट्स पेस्ट या पाउडर फॉर्म में ही दें। क्योंकि इसके पार्टिकल्स बच्चे की सांस की नली में अटक सकता है। नट्स पाउडर बनाने के लिए एक पैन को गर्म करें फिर इसमें एक कप काजू, पिस्ता, बादाम, अखरोट को अच्छी तरह रोस्ट कर लें। फिर इसे प्लेट में निकालकर ठंडा कर लें। इसके बाद इसे पीसकर पाउडर बना लें। इस नट्स पाउडर को आप बच्चों के दूध में मिलाकर दे सकते हैं या फिर हलवे में भी मिला सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों के लिए इन्हें बारीक पाउडर, पेस्ट या उम्र के अनुसार सुरक्षित रूप में देना बेहतर होता है।

दिवाली और छठ के लिए रेलवे का तोहफा, यूपी-बिहार के लिए चलेंगी दर्जनों स्पेशल ट्रेनें

दशहरा, दिवाली और महापर्व छठ के पावन अवसर पर घर जाने वाले रेल यात्रियों के लिए भारतीय रेलवे ने बड़ी राहत का ऐलान किया है। त्योहारों के मौसम में ट्रेनों में होने वाली भारी भीड़ और लंबी वेटिंग लिस्ट की समस्या से निपटने के लिए रेलवे ने दिल्ली, चंडीगढ़, मुंबई और वाराणसी से यूपी-बिहार की ओर जाने वाले कई प्रमुख फेस्टिवल स्पेशल ट्रेनों का पूरा टाइमटेबल जारी कर दिया है। इन स्पेशल ट्रेनों के शुरू होने से दिल्ली, नोएडा, गुरुग्राम और आसपास के इलाकों में रहने वाले लाखों पूर्वांचल और यूपी के यात्रियों को कंफर्म टिकट पाने में आसानी होगी। इन सभी ट्रेनों में सीटों की बुकिंग शुरू हो चुकी है। रेलवे द्वारा जारी आधिकारिक सूची के अनुसार, इन ट्रेनों को अक्टूबर से नवंबर 2026 के बीच चलाया जाएगा। इनमें आनंद विहार टर्मिनल, नई दिल्ली, हजरत निजामुद्दीन और दिल्ली जंक्शन से पटना, दरभंगा, मुजफ्फरपुर, जोगबनी और कानपुर के लिए गाड़ियां शामिल हैं।
बिहार जाने वालों के लिए: आनंद विहार से पाटलिपुत्र (ट्रेन नं 04096) के बीच सर्वाधिक 120 फेरे और निजामुद्दीन से दरभंगा (ट्रेन नं 04002) के लिए विशेष गाड़ियां चलाई जा रही हैं। इसके अलावा मुजफ्फरपुर, सीतामढ़ी और जोगबनी रूट पर भी सीधी गाड़ियां मिलेंगी। यूपी व दिल्ली-कानपुर रूट: रोजाना सफर करने वाले यात्रियों की सहूलियत के लिए नई दिल्ली-कानपुर (ट्रेन नं 02456) के 98 फेरे और आनंद विहार-कानपुर के 72 फेरे तय किए गए हैं। लंबी दूरी के रूट: आनंद विहार से मुंबई (LTT) के बीच चलने वाली स्पेशल ट्रेन (04014) सबसे ज्यादा 150 फेरों के साथ संचालित होगी, जिससे दोनों महानगरों के बीच यात्रा करने वालों को बड़ी राहत मिलेगी। इन सभी स्पेशल ट्रेनों का ठहराव प्रमुख स्टेशनों जैसे लखनऊ, शाहजहांपुर, बरेली, मुरादाबाद, प्रयागराज, गाजीपुर, गोरखपुर और हाजीपुर में रखा गया है। रेलवे प्रशासन ने यात्रियों से अपील की है कि एन वक्त की आपाधापी से बचने के लिए IRCTC की आधिकारिक वेबसाइट या स्टेशन काउंटर पर जाकर तुरंत अपना रिजर्वेशन करा लें। त्योहारी सीजन में यात्रियों की बढ़ती संख्या को देखते हुए रेलवे की ओर से इन ट्रेनों के संचालन के दौरान अतिरिक्त व्यवस्थाओं पर भी जोर दिया जाएगा।

BRICS Summit में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और निवेश पर जोर

अमेरिकी डॉलर पर निर्भरता कम करने की चर्चाओं के बीच ब्रिक्स देशों के वित्त मंत्रियों और केंद्रीय बैंक गवर्नर की मीटिंग के बाद एक संयुक्त बयान जारी किया गया। इस बयान में मुद्रा या डॉलर को हटाने का कोई जिक्र नहीं है। ब्रिक्स देशों के संयुक्त बयान में स्थानीय मुद्राओं में व्यापार और निवेश करने तथा क्रॉस बॉर्डर पेमेंट सिस्टम को बेहतर बनाने पर जोर दिया गया है। ब्रिक्स देशों के संयुक्त बयान में न तो ब्रिक्स की साझा मुद्रा का कोई उल्लेख है और न ही अमेरिकी डॉलर को हटाने का औपचारिक आह्वान किया गया है। इसके बजाय बयान में इंटरोपेरबल पेमेंट सिस्टम, स्थानीय मुद्राओं में लेनदेन और उन सदस्यों के बीच स्वैच्छिक सहयोग की बात कही गई है, जो राष्ट्रीय प्राथमिकताओं का सम्मान करते हैं।
बयान में कहा गया कि ब्रिक्स पेमेंट टास्क फोर्स (BPTF)' ने क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट सिस्टम के लिए व्यावहारिक समाधान तलाशने की दिशा में प्रयास किए हैं। संयुक्त बयान में कहा गया, ''हम BPTF को जारी काम के आधार पर चर्चा आगे बढ़ाने और ब्रिक्स देशों के बीच क्रॉस-बॉर्डर पेमेंट के लिए ऐसे व्यावहारिक समाधान तलाशने को प्रोत्साहित करते हैं, जो तेज, कम खर्च वाले, ज्यादा सुलभ, दक्ष, पारदर्शी और सुरक्षित हों।'' ब्रिक्स बिजनेस फोरम में शुक्रवार को ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेशकियान ने सदस्य देशों के बीच राष्ट्रीय मुद्राओं के इस्तेमाल को बढ़ाने की जरूरत बताई। उन्होंने कहा कि सीमित संख्या में मुद्राओं पर निर्भर मौजूदा वित्तीय प्रणाली राजनीतिक झटकों के प्रति संवेदनशील है। उन्होंने NDB के जरिये डॉलर पर निर्भरता कम करने वाले लेनदेन को बढ़ावा देने की भी वकालत की।

पहाड़ों को चीरकर रेलवे ने रचा इतिहास, उत्तराखंड में 10.8 किमी लंबी सुरंग का हुआ ब्रेकथ्रू

उत्तराखंड के दुर्गम और कठिन पहाड़ों के बीच रेल पहुंचाने का सपना अब बहुत तेजी से हकीकत में बदल रहा है। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग नई ब्रॉडगेज रेल लाइन परियोजना में रेल विकास निगम लिमिटेड (RVNL) ने एक और ऐतिहासिक मील का पत्थर हासिल कर लिया है।
11 सितंबर 2026 को इस प्रोजेक्ट की एस्केप टनल-1 की खुदाई का काम सफलतापूर्वक पूरा कर लिया गया, जिसे ब्रेकथ्रू कहा जाता है। यह इस पूरी रेल परियोजना का 41वां टनल ब्रेकथ्रू है। इसके साथ ही 10.847 किलोमीटर लंबी यह टनल अब पूरी तरह से आपस में जुड़ गई है, जो इस प्रोजेक्ट की दूसरी सबसे लंबी सुरंग बन गई है। यह सफलता इसलिए भी बेहद खास है क्योंकि इस टनल के निर्माण के दौरान भारतीय इंजीनियरों को हिमालय के बेहद जटिल और चुनौतीपूर्ण भूविज्ञान का सामना करना पड़ा। टनल का पूरा रास्ता ज्यादा फॉल्टेड और टूटी-फूटी चट्टानों के बीच से होकर गुजरता है। निर्माण के दौरान मेन बाउंड्री थ्रस्ट (MBT) की मौजूदगी के कारण भारी मलबे, लगातार ढहने वाली मिट्टी और कमजोर चट्टानों की वजह से काफी जोखिम था। हालांकि, आधुनिक इंजीनियरिंग तकनीक और सुरक्षा उपायों के दम पर RVNL की Rishikesh PIU टीम ने पहाड़ों का सीना चीरकर इस कठिन काम को अंजाम दिया। इस 41वें ब्रेकथ्रू के साथ ही ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल परियोजना अब अपने अंतिम चरण की ओर तेजी से बढ़ रही है। प्रोजेक्ट में कुल 46 टनल ब्रेकथ्रू होने थे, जिनमें से 41 सफलतापूर्वक पूरे हो चुके हैं। RVNL के अधिकारियों के अनुसार, बची हुई केवल 5 सुरंगों का ब्रेकथ्रू काम भी अगले एक साल के भीतर पूरा कर लिया जाएगा। इसके बाद उत्तराखंड के सुदूर पहाड़ी इलाकों तक ट्रेन पहुंचाने का दशकों पुराना सपना साकार हो जाएगा। ऋषिकेश-कर्णप्रयाग रेल लाइन परियोजना देश की सबसे महत्वाकांक्षी हिमालयी रेलवे परियोजनाओं में से एक है। कर्णप्रयाग तक रेल सेवा शुरू होने से बद्रीनाथ, केदारनाथ, जोशीमठ और हेमकुंड साहिब जाने वाले श्रद्धालुओं और पर्यटकों का समय काफी बचेगा।

14 सितंबर को 7 राज्यों में बंद रहेंगे बैंक, 15 सितंबर को भी 3 राज्यों में छुट्टी

आने वाले हफ्ते यानी 14 से 19 सितंबर के बीच अगर आपको बैंक से जुड़ा कोई जरूरी काम है तो भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की हॉलिडे लिस्ट देखकर ही घर से बाहर निकलें। सितंबर महीने के मध्य में त्योहारों की बहार के कारण देश के कई राज्यों में बैंक लगातार बंद रहने वाले हैं। गणेश चतुर्थी, संवत्सरी और नुआखाई के चलते 14 और 15 सितंबर 2026 को देश के कई राज्यों में बैंक बंद रहेंगे। RBI की हॉलिडे लिस्ट के मुताबिक 14 सितंबर को 7 राज्यों में बैंकों की शाखाएं बंद रहेंगे रहेंगी, जबकि 15 सितंबर को भी 3 राज्यों में बैंकों की छुट्टी होगी। खास बात यह है कि दो राज्यों में लगातार दो दिन बैंक बंद रहेंगे। 14 सितंबर को गणेश चतुर्थी, गणेश पूजा, हरितालिका तीज और वरसिद्धि विनायक व्रत के उपलक्ष्य में देश के 7 प्रमुख राज्यों के शहरों में बैंक बंद रहेंगे। बैंक ग्राहकों के लिए खास बात यह है कि गोवा और ओडिशा में 14 और 15 सितंबर दोनों दिन बैंक बंद रहेंगे। इसलिए इन राज्यों में रहने वाले लोगों को बैंक से जुड़ा जरूरी काम पहले ही निपटा लेना बेहतर होगा। आगामी हफ्ते में 18 सितंबर को पूर्वोत्तर राज्य मेघालय में सेंग कुट स्नेम या स्थानीय पर्व के चलते शिलांग सर्किल के बैंकों में अवकाश रहेगा। बैंक शाखाएं बंद होने के बावजूद आमतौर पर UPI, मोबाइल बैंकिंग, इंटरनेट बैंकिंग और ATM जैसी डिजिटल सेवाएं उपलब्ध रहती हैं। हालांकि, किसी विशेष बैंक की सेवा या लेनदेन में अलग-अलग नियम लागू हो सकते हैं। इसलिए कैश निकालने या कोई जरूरी बैंकिंग काम करने की जरूरत हो तो पहले से तैयारी करना बेहतर रहेगा।

यूपी में तेजी से बढ़ेगा रियल एस्टेट कारोबार, ₹2380 करोड़ के 13 प्रोजेक्ट मंजूर

उत्तर प्रदेश में रियल एस्टेट सेक्टर को बड़ी रफ्तार मिलने वाली है। उत्तर प्रदेश रियल एस्टेट रेगुलेटरी अथॉरिटी (UP RERA) ने राज्य के छह जिलों में 2,380.04 करोड़ के 13 रियल एस्टेट प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दी है। इन परियोजनाओं के पूरा होने के बाद कुल 4,724 आवासीय और व्यावसायिक यूनिट्स तैयार होंगी। इससे न सिर्फ घर और कमर्शियल स्पेस की उपलब्धता बढ़ेगी, बल्कि निर्माण से जुड़े कई क्षेत्रों में भी कारोबार बढ़ने की उम्मीद है। प्रस्तावित निवेश के मामले में बाराबंकी सबसे आगे रहा। यहां दो आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी मिली है, जिनमें करीब 751.42 करोड़ का निवेश प्रस्तावित है। इन दोनों प्रोजेक्ट्स में कुल 591 आवासीय यूनिट्स बनाई जाएंगी। वहीं, यूनिट्स की संख्या के मामले में लखनऊ सबसे आगे है। यहां 385.76 करोड़ के निवेश वाली एक आवासीय परियोजना को मंजूरी मिली है। इस प्रोजेक्ट में कुल 1,392 यूनिट्स विकसित की जाएंगी। इससे शहर में नए आवासीय विकल्प बढ़ेंगे। वाराणसी में तीन आवासीय परियोजनाओं को मंजूरी दी गई है। इन पर करीब 750.24 करोड़ का निवेश होगा और कुल 1,189 यूनिट्स बनाई जाएंगी।

HDFC बैंक ने शुरू की नए MD-CEO की तलाश, बोर्ड ने सुझाए 2 उम्मीदवार; जिमी टाटा बने एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर

HDFC बैंक में टॉप मैनेजमेंट को लेकर बड़ा बदलाव होने जा रहा है। बैंक के बोर्ड ने नए मैनेजिंग डायरेक्टर और चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर (MD-CEO) की नियुक्ति के लिए दो उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को भेजने को मंजूरी दे दी है। हालांकि, बैंक ने फिलहाल इन दोनों उम्मीदवारों के नाम सार्वजनिक नहीं किए हैं। अंतिम नियुक्ति के लिए भारतीय रिजर्व बैंक (RBI) की मंजूरी जरूरी होगी। इसी बीच बैंक ने जिमी टाटा को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर बनाने का भी फैसला किया है। एचडीएफसी बैंक के बोर्ड ने शनिवार को हुई बैठक में MD-CEO पद के लिए दो उम्मीदवारों के नाम आरबीआई को भेजने के प्रस्ताव को मंजूरी दी। दोनों उम्मीदवारों का कार्यकाल तीन साल का प्रस्तावित है। बैंक ने स्टॉक एक्सचेंज फाइलिंग में बताया कि यह फैसला गवर्नेंस, नॉमिनेशन और रेम्यूनरेशन कमिटी की सिफारिशों के आधार पर लिया गया है। फिलहाल बैंक ने इन दोनों उम्मीदवारों के नामों का खुलासा नहीं किया है। उनके प्रस्तावित वेतन और अन्य पारिश्रमिक की जानकारी भी आरबीआई की मंजूरी के लिए भेजी जाएगी। अब इस नियुक्ति पर अंतिम फैसला आरबीआई की मंजूरी के बाद होगा। बैंक के बोर्ड ने जिमी टाटा को एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर का पद देने को भी मंजूरी दी है। उनका कार्यकाल आरबीआई की मंजूरी मिलने की तारीख से तीन साल का होगा। जिमी टाटा को बैंकिंग और फाइनेंशियल सर्विसेस के सेक्टर में 35 साल से ज्यादा का एक्सपीरिएंस है। वह 1994 से एचडीएफसी बैंक से जुड़े हुए हैं। फिलहाल वह बैंक में चीफ क्रेडिट ऑफिसर की जिम्मेदारी संभाल रहे हैं।

Zomato ने ग्राहकों को दिया झटका, अब कैश में पेमेंट करना पड़ेगा महंगा; जानें कितना बढ़ेगा बिल

अक्सर ऑनलाइन खाना मंगाने वालों के लिए जरूरी खबर है। अगर आप जोमैटो से खाना ऑर्डर करते हैं और पेमेंट डिलीवरी के समय (COD) में करते हैं, तो अब आपको इसके लिए एक्स्ट्रा पैसे देने पड़ सकते हैं। जोमैटो ने कैश ऑन डिलीवरी ऑर्डर पर अलग से पे ऑन डिलीवरी फीस लगाना शुरू किया है। इससे कैश में भुगतान करने वाले ग्राहकों का कुल बिल बढ़ जाएगा। यह नया शुल्क ऑर्डर के बिल में पे ऑन डिलीवरी फीस के नाम से दिखाई दे रहा है। हालांकि, यह फीस सभी ग्राहकों के लिए एक जैसी नहीं है। अलग-अलग ऑर्डर और यूजर्स के लिए अलग रकम दिखाई दे रही है। उपलब्ध जानकारी के मुताबिक कुछ मामलों में यह चार्ज 5 रुपये बताया जा रहा है। हालांकि, इस फीस की गणना किस आधार पर होती है, यह पूरी तरह स्पष्ट नहीं है। यह ऑर्डर की कीमत, ग्राहक की लोकेशन या किसी अन्य फैक्टर पर निर्भर कर सकती है। जोमैटो पर ग्राहकों को पहले से ही प्लेटफॉर्म फीस के अलावा डिलीवरी चार्ज, पैकेजिंग फीस और अन्य लागू शुल्क देने पड़ते हैं। अब COD के लिए अलग फीस जुड़ने से कैश में भुगतान करने वाले ग्राहकों का खर्च और बढ़ सकता है। जोमैटो को हर दिन करीब 23 से 25 लाख फूड ऑर्डर्स मिलते हैं।

रोज करें भुजंगासन, कमर दर्द और तनाव से मिलेगा छुटकारा

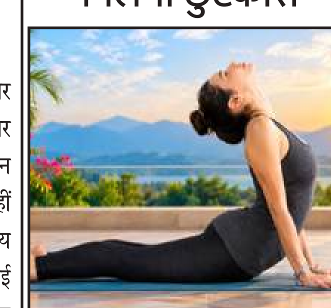

नई दिल्ली। नियमित रूप से योग करने से न सिर्फ शरीर स्वस्थ रहता है बल्कि मन शांत और एकाग्र भी बनता है। इन्हीं महत्वपूर्ण आसनों में से एक है भुजंगासन। यह न केवल रीढ़ की हड्डी को लचीला बनाता है, बल्कि पूरे शरीर में नई ऊर्जा का संचार भी करता है। भुजंग का अर्थ है सांप और आसन का अर्थ मुद्रा। इस आसन में शरीर की आकृति फन फैलाए हुए सांप के समान होती है, इसलिए इसे भुजंगासन या कोबरा पोज कहते हैं। यह आसन दिखने में जितना सरल लगता है, इसके फायदे भी उतने ही चमत्कारी होते हैं। 'भुजंगासन' को 'कोबरा पोज' या फिर 'सर्पासन' के नाम से भी जाना जाता है। इसे सूर्य नमस्कार के 12 आसनों में से आठवां स्थान प्राप्त है। आयुष मंत्रालय के अनुसार, भुजंगासन पीठ की मांसपेशियों को मजबूत और स्वस्थ बनाने में काफी मददगार है। इस आसन के अभ्यास से रीढ़ की हड्डी मजबूत होती है और शरीर में लचीलापन बढ़ता है। साथ ही यह आसन तनाव घटाने, पेट की जिद्दी चर्बी पिघलाने और कब्ज जैसी पाचन परेशानियों को जड़ से खत्म करने में मददगार हो सकता है। पीठ दर्द, साइटिका और श्वसन तंत्र की दिक्कतों से छुटकारा दिलाने वाला यह योग हर उम्र के लिए वरदान है। यह आसन तनाव को कम करने, चर्बी घटाने और कब्ज दूर करने में सहायक है।

चीन के पास मैन्युफैक्चरिंग तो रूस के पास एनर्जी, BRICS में क्या खास लेकर आया भारत?

वैश्विक अर्थव्यवस्था और ब्रिक्स (BRICS) संगठन के बड़े खिलाड़ियों के बीच हर देश की अपनी एक तय ताकत दिखाई देती है। चीन के पास दुनिया का सबसे बड़ा मैन्युफैक्चरिंग नेटवर्क है, रूस के पास अपार तेल व गैस का ऊर्जा भंडार है और यूएई व सऊदी अरब जैसे नए सदस्यों के पास भारी-भरकम कैपिटल यानी पूंजी है। ऐसे में यह सवाल काफी अहम हो जाता है कि इस शक्तिशाली मंच पर भारत की सबसे अनूठी और मजबूत पहचान क्या है? नई दिल्ली में आयोजित ब्रिक्स शिखर सम्मेलन 2026 में भारत ने साबित कर दिया है कि उसकी असली ताकत डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI), यूपीआई (UPI), फार्मास्यूटिकल्स और तकनीकी क्षमता है। भारत तकनीक के इसी मॉडल को पूरे ग्लोबल साउथ (विकासशील देशों) के विकास का मुख्य हथियार बनाकर पेश कर रहा है। भारत ने वित्तीय समावेशन और डिजिटल कनेक्टिविटी के मामले में दुनिया के सामने एक सफल मॉडल पेश किया है। भारत में सिर्फ UPI के जरिए हर साल 250 अरब से ज्यादा डिजिटल लेनदेन हो रहे हैं। यह दुनिया में होने वाले कुल डिजिटल लेनदेन के 50 फीसदी से भी ज्यादा है। भारत ने BRICS देशों के लिए एक साझा 'डिजिटल पब्लिक इंफ्रास्ट्रक्चर (DPI) रिपोजिटरी' बनाने का सुझाव दिया है। इसका मकसद अलग-अलग देशों के डिजिटल सिस्टम को आपस में जोड़ना और स्थानीय मुद्राओं में व्यापार व सीमा पार भुगतान को आसान बनाना है। भारत चाहता है कि BRICS देश UPI जैसे डिजिटल पेमेंट सिस्टम से जुड़ें, ताकि देशों के बीच भुगतान तेज और आसान हो सके। वैश्विक महामारी से लेकर सप्लाई चेन के मौजूदा संकट तक, भारत ने दुनिया की दवा जरूरतों को पूरा करने में केंद्रीय भूमिका निभाई है। जेनेरिक दवाओं और किफायती टीकों के उत्पादन के कारण भारत ब्रिक्स देशों के बीच स्वास्थ्य सुरक्षा का सबसे विश्वसनीय स्तंभ बना हुआ है। चीन जहां बड़े इंफ्रास्ट्रक्चर प्रोजेक्ट्स पर ज्यादा जोर दे रहा है, वहीं भारत का फोकस आईटी, आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस (AI) और स्किल्ड कर्मचारियों को तैयार करने पर है। भारत BRICS देशों में क्षमता निर्माण केंद्रों के जरिए लोगों को नई तकनीकों की ट्रेनिंग देने और भविष्य की जरूरतों के हिसाब से तैयार वर्कफोर्स बनाने की दिशा में आगे बढ़ रहा है। पश्चिमी देशों और चीन के बीच बढ़ रहे तकनीकी और आर्थिक ध्रुवीकरण के बीच, भारत खुद को एक विश्वबंधु और विकासशील देशों के एक विश्वसनीय और निष्पक्ष साझेदार के रूप में स्थापित कर रहा है।

मोदी-जिनपिंग की मुलाकात, साझा घोषणापत्र और गाला डिनर, BRICS समिट के पहले दिन की 10 बड़ी बातें

दो दिवसीय 18वें ब्रिक्स समिट की मेजबानी इस बार भारत की राजधानी नई दिल्ली में हुई। ब्रिक्स समिट के पहले दिन समिट में शामिल देशों ने AI, क्रॉस बॉर्डर पेमेंट, एकतरफा प्रतिबंधों, UNSC सुधार समेत कई खास मुद्दों पर चर्चा की। पहले दिन की सबसे खास बात ये रही कि ब्रिक्स देशों ने अपना साझा घोषणापत्र जारी किया और इससे भी खास बात ये रही कि सात साल बाद चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग भारत आए। ब्रिक्स में भाग लेने के लिए पीएम मोदी ने शी जिनपिंग सहित सभी नेताओं का आभार व्यक्त किया। गलवान झड़प के बाद ब्रिक्स समिट में शामिल होने चीन के राष्ट्रपति पहली बार भारत आए। ब्रिक्स से इतर भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी और चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग की द्विपक्षीय बैठक भी हुई। द्विपक्षीय वार्ता के दौरान, चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कई बड़ी बातें कहीं। चीनी समाचार एजेंसी शिन्हुआ के मुताबिक, बैठक के दौरान चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा कि भारत और चीन एक-दूसरे की खूबियों से सीख सकते हैं और साझा विकास हासिल कर सकते हैं, दोनों देशों को साथ मिलकर काम करना चाहिए। BRICS के साझा घोषणापत्र में सदस्य देशों ने जंग और टकराव रोकने, बातचीत और कूटनीति के जरिए अंतर्राष्ट्रीय विवादों का समाधान करने और वैश्विक मुद्दों पर सभी देशों के नजरिए का सम्मान करने पर जोर दिया। साझा घोषणा में एकतरफा टैरिफ और गैर-टैरिफ उपायों पर भी चिंता जताई गई, इन्हें WTO नियमों के खिलाफ बताया गया और इस घोषणा में BRICS के सदस्य देशों ने आतंकवाद, आतंकवाद की फंडिंग और आतंकियों को सुरक्षित पनाह मिलने जैसी चुनौतियों से निपटने के संकल्प को भी लिए। घोषणा में सदस्य देशों ने आतंकवाद के सभी रूपों और तरीकों की कड़ी निंदा की और जम्मू-कश्मीर के पहलगाम में हुए आतंकवादी हमले की भी निंदा की। घोषणापत्र में आतंकवाद के खिलाफ जीरो टॉलरेंस की नीति

अपनाने, आतंकियों की जवाबदेही तय करने और सं आतंकवादियों और आतंकी संगठनों के खिलाफ ठोस कार्रवाई करने की अपील को दोहराया गया। पीएम मोदी ने BRICS समिट में कहा कि एआई, साइबर स्पेस, आउटर स्पेस, बायो टेक्नोलॉजी और क्रिटिकल टेक्नोलॉजीज भविष्य के अवसरों के साथ वैश्विक नियम भी तय कर रहे हैं। ऐसे में ग्लोबल साउथ की समान भागीदारी जरूरी है। BRICS घोषणापत्र में एकतरफा आर्थिक और सेकेंडरी प्रतिबंधों की निंदा की गई और इस बात पर जोर दिया गया कि इनसे विकास, खाद्य सुरक्षा, स्वास्थ्य सेवा और मानवाधिकारों को नुकसान पहुंच सकता है। BRICS के सदस्य देशों ने एकतरफ़ा टैरिफ़, नॉन-टैरिफ़ बाधाओं और अन्य संरक्षणवादी उपायों पर भी चिंता जताई। BRICS समिट के दौरान चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने मिडिल ईस्ट में जारी जंग को लेकर कहा कि मिडिल ईस्ट की जंग से इस क्षेत्र के लोगों को गंभीर नुकसान हुआ है। उन्होंने कहा कि यह जंग अंतरराष्ट्रीय समुदाय के साझा हितों के मुताबिक नहीं है। उन्होंने दोनों देशों के बीच मतभेदों को उचित तरीके से संभालने और आपसी समझ बढ़ाने की जरूरत पर जोर दिया।

महाराष्ट्र ATS के रडार पर SIMI के बड़े रिक्रूटर की बेटी

महाराष्ट्र ATS के रडार पर 19 साल की मुंब्रा की रहने वाली लड़की है। इस लड़की का पिता इंडियन मुजाहिदीन और SIMI का बड़ा रिक्रूटर हुआ करता था जो फिलहाल विदेश में छिपा बैठा है। सूत्रों ने बताया कि ATS को जानकारी मिली थी कि अधूरी जानकारी देकर 19 साल की नमीराह तारिक खान नाम की लड़की ने मुंब्रा से अपना पासपोर्ट बनवाया है। जांच जब आगे बढ़ी तो पता चला कि नामीराह के पास पहले से ही एक पासपोर्ट था जो उसने उत्तर प्रदेश के लखनऊ से बनवाया था। दरअसल, नया पासपोर्ट बनवाने के लिए पुराने की जानकारी देनी पड़ती है लेकिन नमीराह तारिक खान ने ऐसा नहीं किया और यहां नया पासपोर्ट बनवा लिया। सूत्रों ने बताया कि जब जांच एजेंसियों को पता चला कि वो इंडियन मुजाहिदीन के आतंकी तारिक खान की बेटी है, तब एजेंसी और भी सतर्क हो गई। सूत्रों के मुताबिक, नमीराह के पिता तारिक पर तीन मामले दर्ज हैं, जिसमें से एक 2001 का है। उस समय तारिक पर आतंकी संगठन SIMI से जुड़े होने का आरोप था। उसके बाद एक मामला मुंबई क्राइम ब्रांच का है जो साल 2006 में UAPA के तहत दर्ज हुआ था।

मुंबई के ट्रैफिक जाम में फंसे नितिन गडकरी, बोले- "इसके लिए मैं जिम्मेदार हूं"

केंद्रीय सड़क परिवहन एवं राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी मुंबई में आयोजित 22वें इंडो-अमेरिकन कॉरपोरेट एक्सीलेंस अवॉर्ड्स समारोह में करीब एक घंटे की देरी से पहुंचे। कार्यक्रम में अपने संबोधन के दौरान उन्होंने देरी की वजह मुंबई का ट्रैफिक जाम बताया और इसके लिए उन्होंने खुद को जिम्मेदार ठहराया। नितिन गडकरी ने कहा कि वह वर्ली से होटल तक आते समय करीब एक घंटे तक ट्रैफिक में फंसे रहे। उन्होंने कहा, "आज मैं इस कार्यक्रम में एक घंटे देर से पहुंचा, क्योंकि वर्ली से इस होटल तक आने में मुझे एक घंटा लग गया। लेकिन इसकी गलती की कीमत मैं खुद चुका रहा हूं।" उन्होंने मुंबई में मौजूदा ट्रैफिक समस्या का जिक्र करते हुए कहा कि वर्ष 1992-2000 के दौरान उन्होंने 55 फ्लाईओवर, वर्ली-बांद्रा सी लिंक और मुंबई-पुणे एक्सप्रेसवे से जुड़े प्रोजेक्ट्स को मंजूरी दिलाई थी। उस समय उपलब्ध तकनीक और परिस्थितियों को देखते हुए इन परियोजनाओं की जरूरत थी, लेकिन अब बदलती तकनीक के साथ ट्रैफिक की समस्या से निपटने के नए तरीके अपनाने होंगे। केंद्रीय मंत्री ने अपने संबोधन में तकनीक और इंफ्रास्ट्रक्चर को देश के विकास की अहम कुंजी बताया। उन्होंने कहा कि भारत और अमेरिका के बीच तकनीक, उद्योग और निवेश के क्षेत्र में सहयोग बढ़ाने की काफी संभावनाएं हैं। गडकरी ने कहा कि भारत के पास बड़ी संख्या में प्रतिभाशाली इंजीनियर और उद्यमी हैं, जबकि अमेरिका के पास तकनीक और संसाधनों की मजबूत क्षमता है। दोनों देशों की ताकत को साथ लाकर "विन-विन" स्थिति बनाई जा सकती है। उन्होंने उद्यमिता को रोजगार सृजन से जोड़ते हुए कहा कि देश में पूंजी निवेश, उद्योग और कारोबार बढ़ाने के लिए उद्यमिता को प्रोत्साहित करना जरूरी है। उनके मुताबिक रोजगार के पर्याप्त अवसर पैदा किए बिना गरीबी की समस्या का समाधान संभव नहीं है। गडकरी ने इलेक्ट्रिक वाहनों और बैटरी तकनीक में भारत की बढ़ती क्षमता का भी जिक्र किया। उन्होंने कहा कि बैटरी की लागत में कमी आई है और लिथियम-आयन के अलावा सोडियम-आयन, जिंक-आयन और एल्युमिनियम-आयन जैसी वैकल्पिक तकनीकों पर भी काम हो रहा है। अपने भाषण के अंत में गडकरी ने भारत-अमेरिका के बीच सहयोग बढ़ाने में इंडो-अमेरिकन चैंबर ऑफ कॉमर्स की भूमिका को अहम बताया और अवॉर्ड पाने वाले उद्यमियों एवं कॉरपोरेट जगत के लोगों को शुभकामनाएं दीं। बता दें कि इससे पहले, गोवा में नितिन गडकरी ने मुंबई-गोवा राष्ट्रीय राजमार्ग के काम में हो रही देरी को लेकर नाराजगी जताई थी। गडकरी ने कहा कि हाईवे का काम पूरा होने में 16 से 17 साल लग गए, यह दुर्भाग्यपूर्ण है और उन्हें इसकी शर्मिंदगी है। बढ़ती आबादी, वाहनों की संख्या और शहरीकरण के साथ परिवहन व्यवस्था को आधुनिक तकनीक और बेहतर प्लानिंग से जोड़ना जरूरी होगा।

ब्रिक्स समिट की गाला डिनर पार्टी में कौन-कौन से मुख्यमंत्री शामिल हुए, किस राज्य के सीएम नहीं आए

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने ब्रिक्स देशों के राष्ट्राध्यक्षों को शनिवार रात डिनर पार्टी दी। ब्रिक्स शिखर सम्मेलन के दौरान प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी द्वारा आयोजित गाला डिनर (Gala Dinner) में कई राज्यों के मुख्यमंत्रियों को आमंत्रित किया गया था। ताजा जानकारी के मुताबिक, भारत मंडपम में आयोजित डिनर पार्टी में विपक्ष/गैर-भाजपा (Non-BJP) शासित राज्यों के अधिकांश मुख्यमंत्री शामिल नहीं हुए। भारत मंडपम में आयोजित डिनर पार्टी में बीजेपी और एनडीए शासित राज्यों के मुख्यमंत्री पहुंचे। संसद भवन से एक ही बस में सवार होकर भारत मंडपम पहुंचने वाले मुख्यमंत्रियों में मुख्य रूप से उत्तर प्रदेश के सीएम योगी आदित्यनाथ, असम के सीएम हिमंत बिस्वा सरमा, राजस्थान के सीएम भजनलाल शर्मा, हरियाणा के सीएम नायब सिंह सैनी, दिल्ली की सीएम रेखा गुप्ता और पश्चिम बंगाल के सीएम सुवेंदु अधिकारी जैसे भाजपा व सहयोगी दलों के नेता ही शामिल थे। दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता की तरफ से डिनर पार्टी की कुछ तस्वीरें एक्स हैंडल पर शेयर की गई हैं। तस्वीरों में मध्य प्रदेश के मुख्यमंत्री मोहन यादव, हरियाणा के सीएम सैनी और केंद्रीय मंत्री ज्योतिरादित्य सिंधिया समेत कई मुख्यमंत्री और केंद्रीय मंत्री दिख रहे हैं। खबर लिखे जाने तक कांग्रेस शासित राज्यों के सीएम डिनर पार्टी में नहीं पहुंचे थे।

'आइए, हम साथ मिलकर काम करें', गलवान झड़प के बाद भारत आए Xi Jinping ने PM मोदी से कहा

दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक के दौरान, चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग ने कहा, "जटिल अंतरराष्ट्रीय हालात, जिनमें कई तरह के बदलाव और चुनौतियां शामिल हैं, उन्हें देखते हुए दुनिया के दो सबसे ज्यादा आबादी वाले देशों और 'ग्लोबल साउथ' के अहम सदस्य होने के नाते चीन और भारत की बड़ी जिम्मेदारियां हैं। दोनों पक्षों को मानवता के भविष्य और अपने लोगों की भलाई को ध्यान में रखते हुए, बड़े ब्रिक्स (BRICS) ढांचे के भीतर उच्च-गुणवत्ता वाले सहयोग को आगे बढ़ाने के लिए मिलकर काम करना चाहिए। हमें एक समान और व्यवस्थित बहुध्रुवीय दुनिया और समावेशी व आपसी फ़ायदे वाले आर्थिक वैश्वीकरण की वकालत करनी चाहिए, ताकि विश्व शांति, स्थिरता, विकास और समृद्धि को बढ़ावा देने में और अधिक सकारात्मक ऊर्जा का संचार हो सके।" भारत के विदेश मंत्रालय ने बताया कि पीएम मोदी और शी जिनपिंग, दोनों नेताओं ने अगस्त 2025 में तियानजिन में हुई पिछली मुलाकात के बाद से भारत-चीन द्विपक्षीय संबंधों में हुई लगातार प्रगति का स्वागत किया। उन्होंने फिर से कहा कि दोनों देशों को अपने संबंधों को रणनीतिक और दीर्घकालिक नजरिए से देखना चाहिए। मतभेदों को विवाद नहीं बनने देना चाहिए। प्रधानमंत्री ने इस बात पर जोर दिया कि दोनों पक्षों को तीन 'आपसी' बातों का पालन करना चाहिए, जिसमें आपसी सम्मान, आपसी संवेदनशीलता और आपसी हित सर्वोपरि होना चाहिए। बता दें कि चीन के राष्ट्रपति शी जिनपिंग सात साल बाद भारत पहुंचे। पालम एयरपोर्ट पर केंद्रीय राज्य मंत्री जितिन प्रसाद ने उनका स्वागत किया। गलवान झड़प के बाद शी का यह भारत का पहला दौरा है। ब्रिक्स समिट में शामिल होने के बाद, आज शाम वे प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के साथ द्विपक्षीय बैठक करेंगे। 15 जून 2020 को हुई गलवान झड़प के बाद भारत और चीन के बीच तनाव बढ़ गया था, लेकिन व्यापार जारी रहा। 2020-21 में चीन से भारत का आयात लगभग 65 अरब डॉलर था, जो 2025-26 में बढ़कर 132 अरब डॉलर से ज्यादा हो गया। इसका मतलब है कि गलवान झड़प के बाद से चीन से आयात दोगुना हो गया है।

खांडवी, शाही गुच्छी से मिलेट पुलाव तक, BRICS सम्मेलन के डिनर में परोसे गए खास भारतीय व्यंजन

BRICS डिनर में भारत की समृद्ध खान-पान की परंपरा और सांस्कृतिक विविधता की खास झलक देखने को मिली।

नई दिल्ली। BRICS शिखर सम्मेलन में शामिल देशों के राष्ट्राध्यक्षों के सम्मान में भारत मंडपम में डिनर का आयोजन किया गया। इस दौरान मौजूद मेहमानों को भारतीय संस्कृति, विविधता और समृद्ध स्वाद का अनूठा संगम देखने को मिला। मेहमानों के लिए तैयार किए गए खास शाकाहारी मेनू में उत्तर भारत से लेकर दक्षिण भारत और पश्चिम से लेकर पूर्वी भारत तक के पारंपरिक भारतीय व्यंजनों को एक आधुनिक और शाही अंदाज में पेश किया गया। मेहमानों को स्टार्टर्स के तौर पर खांडवी मिल-फॉय और खुंब गलौटी परोसी गई। खांडवी मिल-फॉय को राई, नारियल और कड़ी पत्ते का तड़का लगाकर तैयार किया गया। इसे केसरिया आम (Kesar Mango), माइक्रो-ग्रीन्स और दही की ड्रेसिंग के साथ आधुनिक अंदाज में परोसा गया। यह गुजरात का पारम्परिक व्यंजन है।

वहीं अवधी शैली में बने मशरूम के बेहद नर्म कबाब खुंब गलौटी को मिंट पर्ल्स (पुदीने की गोलियों) के साथ शीरमाल ब्रेड पर रखकर परोसा गया। वहीं मेन कोर्स में पनीर लबाबदार, गुच्छी मार्मिक, कैरेट बीन पोरीयल, तक्काली बेले सारू, मिल्लेट पुलाव, बीटरूट रायता और भारतीय रोटियों और नान की विविध टोकरी परोसी गई। पनीर लबाबदारः नर्म पनीर के टुकड़ों को छोटे प्याज (शलॉट्स) और टमाटर की गाढ़ी एवं समृद्ध ग्रेवी में पकाया गया। गुच्छी मार्मिकः हिमालय की दुर्लभ एवं कीमती 'गुच्छी' (मशरूम) और ताजे एस्पैरागस (Asparagus) को केसर, मुनक्का (Raisins) और मामरा बादाम के साथ धीमी आंच पर पकाया गया। यह व्यंजन इस मेनू का मुख्य आकर्षण रहा। कैरट बीन पोरीयलः दक्षिण भारतीय शैली में नारियल के शुद्ध तेल में गाजर और बीन्स को सुगंधित मसालों के साथ भूनकर ऊपर से ताजा कसा हुआ नारियल मिलाकर तैयार किया गया। तक्काली बेले सारूः अरहर (तूर) दाल और ताजे टमाटर तथा कड़ी पत्ते के मेल से बना हल्का और सुपाच्य दक्षिण भारतीय सूप/रसम्। मिल्लेट पुलाव : स्वास्थ्य और पारंपरिक अनाज को बढ़ावा देते हुए बासमती चावल और बाजरा/श्रीअन्न (Pearl Millets) को मौसमी मसालों के साथ पकाकर यह खास पुलाव तैयार किया गया। बीटरूट रायता : ताजे चुकंदर और जड़ी-बूटियों (Herbs) से तैयार किया गया ठंडा दही। Assorted इंडियन ब्रेड्स : इसके साथ भारतीय रोटियों और नान की विविध टोकरी परोसी गई। वहीं डिजर्ट की बात करें तो मौसमी फलों और हल्की विप्ड क्रीम के साथ पुरानी दिल्ली की प्रसिद्ध कुरकुरी गरमा-गरम जलेबी और शहतूत फिरनी परोसी गई। भारत मंडपम में गाला डिनर के दौरान खास सांस्कृतिक कार्यक्रम 'नवरस-द यूनिवर्स ऑफ शेयर्ड इमोशंस' का भी आयोजन किया गया। इस कार्यक्रम में BRICS देशों की सांस्कृतिक और संगीत परंपराओं का अनूठा संगम देखने को मिला। इसमें BRICS के सदस्य और पार्टनर देशों के संगीतकारों ने एक साथ प्रस्तुति दी। विभिन्न देशों के पारंपरिक वाद्य यंत्रों के साथ भारत की शास्त्रीय नृत्य परंपराओं का भी समन्वय देखने को मिला।

चीनी राष्ट्रपति जिनपिंग की कार ढकी हुई दिल्ली क्यों पहुंची? क्या है सीक्रेट; जानें Hongqi N701 के बारे में

नई दिल्ली। BRICS समिट के लिए दिल्ली पहुंचे चीनी राष्ट्रपति शी जिनपिंग के कार की चर्चा जोरों पर है। दरअसल, जब चीनी राष्ट्रपति की कार और उनके आधिकारिक काफिले की गाड़ियों को मोटे काले कवर से ढंककर ले जाया जा रहा था। ढकी हुई कारों की तस्वीरें और वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गए, जिससे लोगों में यह जानने की उत्सुकता बढ़ गई कि आखिर कवर के नीचे क्या ले जाया जा रहा था और गाड़ियों को लोगों की नजर से क्यों दूर रखा जा रहा था। विदेश यात्राओं के दौरान आधिकारिक गाड़ियों को ढंकना मुख्य रूप से सुरक्षा और लॉजिस्टिक्स का मामला होता है। राष्ट्रपति की कारों को अक्सर अलग से भेजा जाता है और वे दौरे पर आने वाले नेता से पहले ही मेजबान देश पहुंच सकती हैं। कारों को विमान से उतारते समय एयरपोर्ट परिसर में ले जाते समय या फ्लैटबेड कैरियर पर ले जाते समय आमतौर पर मजबूत कवर या तिरपाल का इस्तेमाल किया जाता है। धूल, बारिश, धूप और किसी भी तरह के नुकसान से बचाने के अलावा ये कवर गाड़ियों को इस्तेमाल में आने तक अच्छी हालत में रखने में मदद करते हैं। बेहद सुरक्षित सरकारी गाड़ियों के मामले में उन्हें ले जाते समय ढंककर रखने से इस्तेमाल में आने से पहले उनकी अनावश्यक तस्वीरें लेने या उन पर नजर रखने से भी बचा जा सकता है। इसलिए दिल्ली में जो काला कवर दिखाई दिया, वह शी के आने से पहले का था।

कौन हैं जाहरा पेजेश्कियन? BRICS समिट के दौरान जिनकी खूब हो रही चर्चा

नई दिल्ली में जारी BRICS समिट 2026 के दौरान जाहरा पेजेश्कियन की खूब चर्चा हो रही है। दरअसल, जाहरा, ईरान के राष्ट्रपति मसूद पेजेश्कियन की बेटी हैं। ब्रिक्स समिट में जाहरा, अपने पिता और पति हसन मजीदी के साथ नई दिल्ली के दौरे पर आई हैं। जाहरा पेजेश्कियन ने पति हसन मजीदी के साथ नई दिल्ली में प्रधानमंत्री संग्रहालय का भी दौरा किया। इसके साथ ही, जाहरा, नेशनल क्राफ्ट्स म्यूजियम में ब्रिक्स बाजार भी गईं और लोगों से बातचीत करती नजर आईं। अपनी यात्रा के दौरान, जाहरा पेजेश्कियन ने उस म्यूजियम को देखा जहां भारत के प्रधानमंत्रियों के सफर, उनके योगदान और उनकी विरासत को दर्शाया गया है। म्यूजियम में जाहरा भारत के लोकतांत्रिक नेतृत्व और शासन व्यवस्था को दर्शाने वाली प्रदर्शनियों को देखती हुई नजर आईं। म्यूजियम के वीडियो में जाहरा पेजेश्कियन काले रंग का अबाया पहने हुए दिखाई दीं। जाहरा और हसन मजीदी ने ब्रिक्स बाजार में ब्रिक्स के सदस्य और सहयोगी देशों की आर्ट, क्राफ्ट्स और सांस्कृतिक विरासत को देखा। वहीं, ईरान पवेलियन में, जाहरा ने ईरान की समृद्ध कला, क्राफ्ट और सांस्कृतिक विरासत को दिखाने वाले कारीगरों से भी बातचीत की। खासकर महिला वोटर्स में उनकी पहुंच ने मसूद पेजेश्कियन काफी फायदा पहुंचाया था।

स्वत्वाधिकारी, स्वामी, प्रकाशक प्रदीप सिंह के लिए मुद्रक ताराचन्द कुमावत महारानी प्रिंटर्स, प्लॉट नं 17, माँ वैष्णो देवी नगर, कालवाड़ रोड़ जयपुर - 302012 (राजस्थान) से मुद्रित व 1053, सोसाइटी नगर, शहीद भगत सिंह कॉलोनी, पाली, राजस्थान - 306401 (राजस्थान) से प्रकाशित (सभी विवादों का न्यायिक क्षेत्र जयपुर होगा) समाचार चयन के लिए पी.आर.पी. एक्ट के तहत जिम्मेदार I RNI No. - RJMUL/26/A4290 प्रबंध सम्पादक - प्रदीप सिंह, मो . 9983831415